# एडूलीडर्स यूपी

प्रवेशांक । वर्ष- 01 । अंक-01

हमारा प्रयास कौशल विकास

EDULEADERS UP

आत्म दीपो भव

## स्वप्रेरित, ऊर्जावान एवं टेक्नोसेवी शिक्षकों का स्वतः स्फूर्त समूह

NIPUN BHARAT

www. Eduleadersup.in Eduleadersup@gmail.com EduleadersUP

# एडूलीडर्स यूपी समाचार पत्रों की नज़र में



हिन्दुस्तान

जागरूकता अभियान में सम्मानित हुए शिक्षक

गुरुवंदन कार्यक्रम में शिक्षकों का सम्मान

अमर उजाला बस्ती

शिक्षक खुशी के लिए करें काम तो बदल जाएगी स्कूलों की सूरत

प्रदेश के 75 शिक्षक हुए एडूलीडर्स सम्मान से सम्मानित

'एजुलीडर्स यूपी' बेसिक शिक्षकों को बनाएगा स्वावलंबी

नई उड़ान

पहल

सेमिनार में प्रदेश भर से जुटेंगे 148 उत्कृष्ट शिक्षक

शिक्षक हर स्कूल में तैयार करें विवेकानंद

प्राथमिक शिक्षा की नींव हो रही मजबूत: डा. गोरखनाथ पटेल

उत्कृष्ट कार्य के लिए 21 शिक्षक हुए सम्मानित

शिक्षक तकनीक का प्रयोग कर गुणवत्ता पूर्ण शिक्षण करें – महानिदेशक

बस्ती/सिद्धार्थनगर

हर स्कूल में स्वामी विवेकानंद तैयार करें शिक्षक : ललिता प्रदीप

महत्वपूर्ण है एक-एक मतदाता का वोट : संजीव सिंह

# एडूलीडर्स यूपी

स्वप्रेरित ऊर्जावान एवं टेक्नोसेवी शिक्षकों का स्वतः स्फूर्त समूह एडूलीडर्स यू.पी. की त्रैमासिक पत्रिका

**प्रवेशांक**

स्वप्रेरित, ऊर्जावान एवं टेक्नोसेवी
शिक्षको का स्वतः स्फूर्त समूह

**EDULEADERS UP**

3/11, वशिष्ठपुरम, बैरिहवां, गाँधीनगर, बस्ती - 272001

Mob.: 7905800792

Web: www.eduleadersup.in

Email: eduleadersup@gmail.com

© कॉपीराइट :लेखक

मुद्रक : मेट्रो प्रिन्टर्स, डी-102, महानगर एक्सटेंसन, महानगर, लखनऊ

इस पुस्तक के सर्वाधिकार सुरक्षित हैं। प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना इसके किसी भी अंश की फोटोकापी एवं रिकार्डिंग सहित इलेक्ट्रानिक अथवा मशीनी, किसी भी माध्यम से अथवा ज्ञान के संग्रहण एवं पुनः प्रयोग की प्रणाली द्वारा किसी भी रूप में पुनरूत्पादित अथवा संचारित-प्रसारित नहीं किया जा सकता।

संरक्षक

**श्री संदीप सिंह**

मा. बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उ.प्र.

मार्गदर्शक

**श्री विजय किरन आनन्द**

महानिदेशक, स्कूल शिक्षा उ.प्र.

**श्रीमती शुभा सिंह**

निदेशक, बेसिक शिक्षा परिषद उ.प्र.

**सुश्री ललिता प्रदीप**

पी. ई. एस (सेवानिवृत)

लेखक

**अनीता** (एम.ए., बी.पी.एड)

प्रधान संपादक

**डॉ. सर्वेष्ट मिश्र**

राष्ट्रपति पदक प्राप्त शिक्षक

संपादक मण्डल

श्री विनीत पंवार, ए.आर.पी., जनपद बुलंदशहर
श्री बृजेश कुमार गुप्ता, सहायक अध्यापक, जनपद बस्ती

एडूलीडर्स यू.पी. पत्रिका प्रकाशन समिति

श्री राजेश यादव, सहायक अध्यापक, जनपद कानपुर नगर
श्री राधे श्याम दीक्षित, सहायक अध्यापक, जनपद फतेहपुर
श्री मनीष वर्मा, सहायक अध्यापक, जनपद गोण्डा
श्री विनीत श्रीवास्तव, सहायक अध्यापक जनपद रायबरेली
श्री मुनव्वर मिर्जा, प्रधानाध्यापक, जनपद श्रावस्ती
श्रीमती प्रीती मिश्रा, प्रधानाध्यापक, जनपद उन्नाव
श्री अशोक कुमार शुक्ला, सहायक अध्यापक, जनपद महोबा
श्री सुधांशु उपाध्याय, प्रधानाध्यापक, जनपद मिर्जापुर
श्रीमती उषा सिंह, प्रधानाअध्यापक, जनपद जौनपुर
श्री सचिन कुमार सिंह, सहायक अध्यापक, जनपद चंदौली
श्रीकांत कुलश्रेष्ठ, सहायक अध्यापक, जनपद आगरा
श्री सत्यजीत कुमार द्विवेदी, प्रधानाध्यापक, जनपद कुशीनगर
श्रीमती वर्षा श्रीवास्तव, सहायक अध्यापक जनपद अलीगढ़
श्री अम्बिकेश त्रिपाठी, सहायक अध्यापक, जनपद अयोध्या
श्री वीरेंद्र प्रताप सिंह, सहायक अध्यापक, जनपद पीलीभीत
श्री अनुज कुमार शर्मा, सहायक अध्यापक, जनपद बरेली
श्री संतोष कुमार, प्रधानाध्यापक, जनपद लखनऊ
श्री नरेंद्र तिवारी, प्रधानाध्यापक, जनपद मथुरा
श्री राहुल कुमार शुक्ला, सहायक अध्यापक, जनपद बाराबंकी
श्री मुकेश कुमार, सहायक अध्यापक, जनपद एटा
श्रीमती महिमा सक्सेना, सहायक अध्यापक, जनपद लखनऊ
श्रीमती दीप्ति मिश्र, प्रधानाध्यापक, जनपद गोरखपुर
श्रीमती श्वेता सोमवंशी,सहायक अध्यापक, जनपद गौतमबुद्ध न0
श्री सुरेन्द्र पाल सिंह यादव, सहायक अध्यापक, जनपद रामपुर
श्रीमती कंचन बाला, सहायक अध्यापक, जनपद गौतमबुद्ध न0

## टीम एडूलीडर्स यूपी

| नाम | जनपद | नाम | जनपद |
|---|---|---|---|
| श्री ब्रजेश कुमार गुप्ता | बस्ती | श्री नरेन्द्र तिवारी | मथुरा |
| श्री विनीत पंवार | बुलंदशहर | श्री सचिन सिंह | चंदौली |
| श्रीमती उषा सिंह | जौनपुर | श्री ओमकार सिंह | फिरोजाबाद |
| श्री अजीत प्रताप सिंह | फर्रुखाबाद | श्रीमती पल्लवी वर्मा | शाहजहांपुर |
| श्रीमती दीप्ति मिश्र | गोरखपुर | श्री पंकज वर्मा | लखीमपुर |
| श्री धन्नू चौहान | महराजगंज | श्रीमती पूजा पाण्डेय | कन्नौज |
| श्री सुधांशु उपाध्याय | मीरजापुर | श्रीमती प्रज्ञा त्रिवेदी | बांदा |
| डॉ. सुमन गुप्ता | झाँसी | श्रीमती प्रीति मिश्रा | उन्नाव |
| श्री हरिओम | कौशाम्बी | श्रीमती पुष्पा यादव | मेरठ |
| श्री महेश कुमार | सिद्धार्थनगर | श्रीमती राफिया निकहत | अलीगढ़ |
| श्री खिलेंद्र सिंह | मुरादाबाद | श्री राम जी शर्मा | इटावा |
| श्री मनीष वर्मा | गोण्डा | श्री राम नारायण पाण्डेय | चित्रकूट |
| श्री मुकेश यादव | एटा | श्री रवीन्द्र सिंह | सुल्तानपुर |
| श्री प्रदीप भटनागर | रामपुर | श्रीमती रेनू बंसल | संभल |
| श्री राजीव भटनागर | बदायूं | श्री रेशु पांडे | बलरामपुर |
| श्री राजेश कुमार पाण्डेय | बहराइच | श्री सचिन निरंजन | ललितपुर |
| श्री संतोष कुमार | लखनऊ | श्री सदक-ए- हुसैन | अयोध्या |
| श्री सत्येन्द्र कुमार | हमीरपुर | श्री सत्यजीत कुमार द्विवेदी | कुशीनगर |
| श्री सुनील दत्त राजपूत | औरैया | श्रीमती सावित्री | मऊ |
| श्री अभिषेक कुमार शुक्ल | सीतापुर | श्री शेखर यादव | कानपुर |
| श्री आदर्श कुमार निगम | जालौन | श्री श्रीकांत कुलश्रेष्ठ | आगरा |
| श्रीमती अजिता श्रीवास्तव | बाराबंकी | श्री सुशील कुमार | हाथरस |
| श्री अनिल कुमार | गाजीपुर | श्रीमती श्वेता सोमवंशी | गौतमबुद्धनगर |
| श्री अनिल कुमार सिंह | बलिया | श्रीमतीकंचन बाला | गौतमबुद्धनगर |
| श्री अनुज शर्मा | बरेली | श्री सुधीर राणा | बिजनौर |
| श्री अरुणेश प्रताप सिंह | अमेठी | श्रीमती डा. सुमन अग्रवाल | हापुड़ |
| श्री अशोक कुमार शुक्ला | महोबा | श्री दीनबंधु त्रिपाठी | सोनभद्र |
| श्री चंद्रशेखर मिश्र | संत कबीर नगर | श्रीमती सुषमा राव | देवरिया |
| श्री मयंक गुप्ता | अम्बेडकरनगर | श्रीमती सुवाशिनी | शामली |
| श्रीमती दीपा रानी | सहारनपुर | श्री वैभव कान्त श्रीवास्तव | आजमगढ़ |
| श्री कमल कान्त | हरदोई | श्रीमती वाणी शर्मा | गाजियाबाद |
| श्रीमती कविता | बागपत | श्री विजय तिवारी | फतेहपुर |
| श्रीमती मधुलिका सिंह | प्रयागराज | श्री विनीत मिश्र | कानपुर देहात |
| श्री मनोज कुमार सिंह | वाराणसी | श्री विनीत श्रीवास्तव | रायबरेली |
| श्रीमती मीनाक्षी पाण्डेय | प्रतापगढ़ | श्री वीरेंद्र प्रताप सिंह | पीलीभीत |
| श्रीमती मीरा शर्मा | मुजफ्फरनगर | सुश्री निशंका जैन | मैनपुरी |
| श्री मुकुल कुमार सिंह | भदोही | | |
| श्री मुनव्वर मिर्जा | श्रावस्ती | | |

# विषय सूची


| | पेज सं0 |
|---|---|
| एडूलीडर्स यूपी: एक नजर में.. | 09 |
| एडूलीडर्स यू. पी. द्वारा छात्रों हेतु संचालित कार्यक्रम | 10 |
| एडूलीडर्स यू.पी. द्वारा शिक्षकों हेतु संचालित कार्यक्रम | 11 |
| एडूलीडर्स अवार्ड 2020 | 12 |
| एडूलीडर्स अवार्ड 2021 | 13-15 |
| लर्निंग असेसमेंट वेबिनार | 16-19 |
| स्कूल लीडरशिप वेबिनार | 20-23 |
| आई.सी.टी. वेबिनार | 24-27 |
| एडूलीडर्स यूपी की दूसरी राज्य स्तरीय वेबीनार श्रृंखला | 28 |
| हर विद्यालय में विवेकानन्द तैयार करें शिक्षक | 29 |
| शिक्षक खुशी के लिए काम करें | 30 |
| जीवन मे सफलता का मूल मंत्र है समय प्रबंधन | 31 |
| जनपद स्तरीय एडूलीडर्स यूपी सम्मान | 32-33 |
| जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रंजना चौधरी ने | 34 |
| निपुण भारत मिशन | 35 |
| युवा शिक्षकों के लिए रोल मॉडल हैं डॉ सर्वेष्ट मिश्र | 36-38 |
| एडूलीडर्स अवार्ड 2022 | 39 |
| एडूलीडर्स यूपी सम्मान समारोह 2021, गोरखपुर | 40 |
| एडूलीडर्स हुनर समर कैंप | 41 |
| मतदाता जागरुकता कार्यक्रम | 42 |
| निर्वाचन आयोग उ.प्र. ने दी एडूलीडर्स यूपी... | 43 |
| पौधा लगाओ जीवन बचाओ | 44 |
| एडूलीडर्स यूपी का ऑनलाइन योग शिविर | 45 |
| बेगिनारो में प्रतिभागी शिक्षकों का विवरण | 46 |
| एडूलीडर्स यूपी पुरस्कार 2020/2021/2022 प्राप्त शिक्षकों की सूची | 47 |
| शैक्षिक वेबिनारों के विशेषज्ञों की सूची | 48 |

lnhi flg
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
बेसिक शिक्षा विभाग,
उ.प्र. सरकार

59–59 A मुख्य भवन
उ.प्र. सचिवालय, लखनऊ
कार्या. 0522–2238896
0522–2213251

दिनांक 20/10/2022

## lnn'k

मुझे यह जानकर अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है कि राष्ट्रपति पदक प्राप्त शिक्षक डॉ० सर्वेष्ट मिश्र के नेतृत्व में एडूलीडर्स यूपी, उत्तर प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के स्वप्रेरित ऊर्जावान टेक्नोसेवी शिक्षकों का स्वतः स्फूर्त समूह हैं, जो शिक्षकों एवं छात्रों हेतु विभिन्न प्रकार के शैक्षणिक गतिविधियां संचालित करता है। विशेषकर बच्चों के लर्निंग आउटकम को बढ़ाने हेतु प्रतिदिन सामग्री तैयार कर प्रदेश के सभी जनपदों में भेजने एवं शिक्षकों में नेतृत्व क्षमता का विकास करने के लिये, ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने, उनकी उपलब्धियों को मंच देने के लिये तथा 'एडूलीडर्स अवार्ड' के नाम से कार्यक्रम आयोजित करने तथा पत्रिका के माध्यम से उसे जन–जन तक पहुँचाने का प्रयास किया जाता है। वर्तमान में 'एडूलीडर्स यूपी' पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। जो अत्यंत प्रंशसनीय है।

आपके रचनात्मक प्रयास, अभिव्यक्ति और पत्रिका के सफल प्रकाशन की हार्दिक मंगलकामना करता हूँ। 'एडूलीडर्स यूपी' पत्रिका के सम्पादक मण्डल एवं पत्रिका से जुड़े समस्त महानुभावों को शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित करते हुए सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

lnhi flg

M,å lo"V feJ]
राष्ट्रपति पदक प्राप्त प्रधानाध्यापक,
प्र0वि0, मूडघाट, बस्ती

fot; fdju vkun vkb0,0,l0
¼egkfun'kd½
Ldwy f'k{kk mÙkj çns'k

विद्या भवन, निशातगंज , लखनऊ
पंत्राकः 6203 / 2022–23

दिनांक 20/10/2022

# lns'k

मुझे यह जानकर अपार प्रसन्नता हो रही है कि स्वप्रेरित, ऊर्जावान, टेक्नोसेवी शिक्षकों के स्वतः स्फूर्त समूह ''एडूलीडर्स यूपी'' द्वारा प्रदेश के छात्रों व शिक्षकों की उत्कृष्टता को समर्पित तथा विविध गतिविधियों को समाहित कर अपनी पत्रिका एडूलीडर्स यूपी का प्रकाशन किया जा रहा है। निश्चित तौर पर शिक्षक समाज का सजग प्रहरी होने के साथ ही राष्ट्र के भविष्य का निर्माता भी होता है। सशक्त शिक्षक किसी समाज के समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त करता है। इस दिशा में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त शिक्षक डॉ सर्वेष्ट मिश्र के नेतृत्व में संचालित एडूलीडर्स यूपी द्वारा एडूलीडर्स यूपी पत्रिका का प्रकाशन निश्चित ही प्रभावी सिद्ध होगा।

मैं इस पत्रिका के प्रकाशन की अग्रिम शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

¼fot; fdju vkuUn½
महानिदेशक
स्कूल शिक्षा उ0प्र0

M,å lo"V feJ]
राष्ट्रपति पदक प्राप्त प्रधानाध्यापक,
प्र0वि0, मूडघाट, बस्ती

'kHkk flg]
fun'kd
बेसिक शिक्षा परिषद एवं एस०सी०ई०आर०टी०
उ०प्र० लखनऊ ।

विद्या भवन, निशातगंज , लखनऊ
पंत्राकः बे / 38664 / 2022–23

दिनांक 20/10/2022

## lans'k

मुझे यह जानकर अत्यंत खुशी हो रही है कि स्वप्रेरित, उर्जावान, टेक्नोसेवी तथा स्वतःस्फूर्त शिक्षकों के समूह 'एडूलीडर्स यूपी' द्वारा छात्रों एवं शिक्षकों की बेहतरी के लिए सराहनीय कार्य किया जा रहा है। शिक्षक समाज का सजग प्रहरी तथा छात्र देश के भविष्य होते हैं। किसी भी छात्र का सर्वांगीण विकास उनके शिक्षकों की मेधा, त्याग तथा समर्पण पर निर्भर करती है। ऐसे में एडूलीडर्स यूपी द्वारा शिक्षकों के व्यावसायिक उन्नयन तथा छात्रों के ज्ञार्नाजन में किये जा रहे प्रयास अत्यंत सार्थक व प्रशंसनीय है। 'एडूलीडर्स यूपी' द्वारा पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है जो अत्यंत हर्ष का विषय है। निश्चित ही यह पत्रिका शिक्षकों एवं छात्रों के लिए प्रभावी सिद्ध होगी।

मैं 'एडूलीडर्स यूपी' पत्रिका के प्रकाशन की अग्रिम शुभकामनाएं प्रेषित करती हूं।

20.10.22

¼'kHkk flg½
निदेशक
बेसिक शिक्षा परिषद, उ०प्र०
एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्
उ०प्र०, लखनऊ

M,å lo"V feJ]
राष्ट्रपति पदक प्राप्त प्रधानाध्यापक,
प्र0वि0, मूडघाट, बस्ती

yfyrk çnhi
पूर्व अपर शिक्षा निदेशक
शिक्षा विभाग उ0प्र0

vkokl%
गुलिस्तां कॉलोनी
लखनऊ, उ0प्र0

दिनांक 20/10/2022

## lans'k

एडूलीडर्स यूपी प्रदेश के सक्षम और उत्साही शिक्षकों का समूह है जो राष्ट्रीय अध्यापक पुरस्कार प्राप्त शिक्षक डॉ सर्वेष्ट मिश्र के नेतृत्व में नित नई ऊंचाइयों को छू रहा है। एडूलीडर्स यूपी तथा राज्य शैक्षिक तकनीकी संस्थान उ0प्र0 के तत्वावधान में प्रदेश के परिषदीय शिक्षकों के क्षमता संवर्धन पर लंबे समय तक कार्य किया गया है। यह वह दौर था जब पूरा पूरा विश्व करोना के प्रारंभिक दौर से गुजर रहा था। एडूलीडर्स समूह द्वारा दीर्घ लॉकडाउन में शिक्षकों के लिए शानदार कार्य किया गया। एडूलीडर्स यूपी द्वारा लर्निंग असेसमेंट, नेतृत्व क्षमता विकास तथा शिक्षण में आईसीटी के प्रयोग विषय सहित विविध विषयों पर प्रदेश के हजारों शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। यह वह समय था जब ऑनलाइन हमारे सिस्टम का हिस्सा नहीं था। लेकिन इस टीम के प्रयासों से इसके मुखर परिणाम आए और जब विभाग में ऑनलाइन व्यवस्था को औपचारिक रूप दिया गया तब शिक्षकों की एक लंबी कतार इस व्यवस्था को अपनाने के लिए पूर्व से ही तैयार थी। एडूलीडर्स यूपी के सराहनीय कार्यों हेतु हार्दिक शुभकामनाएं।

एडूलीडर्स पत्रिका के प्रकाशन हेतु डॉ सर्वेष्ट मिश्र को बहुत–बहुत बधाई।

शुभकामनाओं सहित



¼yfyrk inhi½
पूर्व अपर शिक्षा निदेशक
शिक्षा विभाग उ0प्र0

M‚å lo"V feJ]
राष्ट्रपति पदक प्राप्त प्रधानाध्यापक,
प्र0वि0, मूडघाट, बस्ती

# संपादकीय

**डा. सर्वेष्ट मिश्र**
राष्ट्रपति पदक प्राप्त शिक्षक
संस्थापक, एडूलीडर्स यूपी.

साल 2020 का मार्च माह जब कोविड लॉकडाउन के कारण एकाएक सभी स्कूल बंद हो गए और प्रदेश के हजारों की संख्या में शिक्षक अपने छात्र-छात्राओं से दूर हो गए। शिक्षक समझ नहीं पा रहे थे कि अब वह अपने बच्चों तक कैसे पहुँच बनाकर उनसे जुड़े और पढ़ाई लिखाई में उनकी मदद कर सकें। इसी दौरान मार्च 2020 में हमने प्रदेश के सभी जनपदों के अपने 100 शिक्षको की टीम के साथ माइक्रोसॉफ्ट टीम व अन्य ऑनलाइन माध्यमों से शिक्षकों की व्यावसायिक दक्षता उन्नयन कर उन्हें प्रशिक्षित व सम्मानित करने का संकल्प लिया। इसी परिकल्पना का परिणाम था एडूलीडर्स यूपी। एडूलीडर्स यूपी शिक्षकों का एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जहाँ सीखने व सिखाने वाले दोनों शिक्षक ही है और इन सभी का उद्देश्य है देश के गांव देहात में रह रहे लाखों होनहार बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना। एडूलीडर्स यूपी ने इस अभियान के अंतर्गत सभी 75 जनपदों में व्हाट्सएप समूह बनाकर अपनी टीमें बनाई। प्रदेश के हजारों शिक्षकों के व्यावसायिक क्षमता संवर्धन, सम्मान व आईसीटी के प्रयोग से ऑनलाइन बच्चों तक शैक्षणिक सामग्री पहुंचाने हेतु इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का संचालन राज्य शैक्षिक तकनीकी संस्थान उत्तर प्रदेश की तत्कालीन निदेशक सुश्री ललिता प्रदीप जी के सहयोग से प्रारम्भ किया। प्रदेश के सभी जनपदों में ऐसे उत्साही शिक्षकों की टीम मास्टर ट्रेनर के रूप में तैयार की गई। सितम्बर 2020 तक राज्य के 45000 से अधिक शिक्षकों के व्यावसायिक विकास हेतु आनलाइन वेबिनारों की श्रृंखला संचालित की गई जिसमें लर्निंग अससेमेंट, स्कूल लीडरशिप और शिक्षा में आईसीटी के प्रयोग विषय पर कुल 07 राज्य स्तरीय तथा सैंकड़ों जनपद व ब्लॉक स्तरीय वेबिनार संचालित किए गए। जिसमें देश भर के उत्कृष्ट विषय विशेषज्ञों ने अपने विचारों व अनुभवों से शिक्षकों को ऑनलाइन प्रशिक्षित किया। मुख्य रूप से प्रदेश के तत्कालीन बेसिक शिक्षा मंत्री डॉ सतीश चन्द्र द्विवेदी जी, नीति आयोग के सलाहकार श्री आलोक कुमार जी. महानिदेशक स्कूल शिक्षा श्री विजय किरन आनन्द जी, नीति आयोग के डिप्टी सलाहकार श्री हर्षित मिश्र जी, निदेशक बेसिक शिक्षा, डॉ० सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह जी, अपर निदेशक सुश्री ललिता प्रदीप जी. एनसीईआरटी के संयुक्त निदेशक डॉ. ए.पी. बेहरा, एससीईआरटी के संयुक्त निदेशक डॉ० अजय कुमार सिंह, आस्ट्रेलियन काउंसिल आफ एजूकेशनल रिसर्च की डॉ० अनुराधा शर्मा जी, एलकान ग्रुप आफ स्कूल्स के निदेशक श्री अशोक पाण्डेय, एलएलएफ नई दिल्ली के निदेशक श्री धीर झिंगरन, कोलकाता विश्वविद्यालय की सुश्री सुदेशना लहरी, शिक्षाविद डॉ. विनीता कौल, सुश्री कविता आनंद, डॉ० जयंती श्रीवास्तव, श्री उमेश शुक्ल, श्री पंकज श्रीवास्तव, मनोवैज्ञानिक डॉ० आलोक मिश्र, एनसीईआरटी के प्रो० वीपी सिंह जी, न्यूपा की विशेषज्ञ डॉ चारु मलिक, डायट प्रवक्ता श्री आशुतोष श्रीवास्तव जी, डॉ० प्रदीप जायसवाल जी सहित देश के जाने माने शिक्षाविदों ने विशेषज्ञ के रूप मे सम्बोधित किया। 2 सिंतम्बर 2021 को तत्कालीन महानिदेशक श्री विजय किरण आनंद के निर्देशन में योगी गम्भीर नाथ आडीटोरिम गोरखपुर में एडूलीडर्स अवार्ड 2021 का आयोजन हुआ जिसमें 75 जनपदों में 150 उत्कृष्ट शिक्षको को बेसिक शिक्षा मंत्री डॉ. सतीश चन्द्र द्विवेदी जी ने एडूलीडर्स आर्वाड 2021 से सम्मानित किया। वर्ष 2022 का एडूलीडर्स अवार्ड लखनऊ में प्रस्तावित है जिसमें 75 जनपदों में 150 शिक्षकों का चयन किया जा चुका है और चयनित शिक्षकों को शीघ्र ही एक भव्य कार्यक्रम में ये सम्मान प्रदान किये जायेंगें। प्रतिदिन छात्रों तथा शिक्षकों के हित में ज्ञान गंगा, संस्कार, योग प्रवाह, विद्या प्रवाह, शब्द संग्रह, बाल सवाल, बूझ भाई बूझ, बाल कलाकार, निपुण शिक्षक, शिक्षक कलाकार, निपुण स्कूल, निपुण भारत, निपुण प्रवाह, नवोन्वेषी शिक्षक,एडूलीडर्स अवार्ड, एडूलीडर्स पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। वर्तमान में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी की प्रेरणा, बेसिक शिक्षा मंत्री श्री संदीप सिंह जी के नेतृत्व में महानिदेशक स्कूल शिक्षा श्री विजय किरण आनंद बेसिक शिक्षा विभाग के ऊर्जावान अधिकारियों की टीम के निर्देशन में एडूलीडर्स यूपी की टीमें प्रत्येक बच्चे को कक्षानुरूप दक्षता व लर्निंग आउटकम सुनिश्चित कर प्रदेश को निपुण बनाने में सतत प्रत्यनशील है।

**एडूलीडर्स यूपी का संकल्प ''हम बनाएगें निपुण प्रदेश''**

**जय हिन्द जय शिक्षक**

# एडूलीडर्स यूपी: एक नजर में..

**स्थापना: नवरात्रि 2020**

**उद्देश्य:-** एडूलीडर्स यूपी उत्तर प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के स्वप्रेरित , ऊर्जावान टेक्नोसेवी शिक्षकों का स्वतःस्फूर्त समूह है जो शिक्षकों एवं छात्रों हेतु विभिन्न प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियां संचालित करता हैं। विशेषकर बच्चों के लर्निंग आउटकम को बढ़ाने हेतु प्रतिदिन सामग्री तैयार कर 75 जनपदों में भेजने, शिक्षकों में नेतृत्व क्षमता विकास करने के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने व उनकी उपलब्धियों को मंच देने के लिए एडूलीडर्स अवार्ड के नाम से कार्यक्रम आयोजित करने तथा एडूलीडर्स पत्रिका के माध्यम से उनके प्रयासों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाता है। समूह का नेतृत्व वर्ष 2018 में उत्तर प्रदेश के एकमात्र राष्ट्रपति पदक प्राप्त शिक्षक डॉ सर्वेष्ट मिश्र द्वारा किया जा रहा है।

संस्थापक:
**डॉ सर्वेष्ट मिश्र,**
राष्ट्रपति पदक प्राप्त शिक्षक
जनपद- बस्ती
संपर्क: वेबसाइट www.eduleadersup.in
Whatsapp 7905800792

## संचालित कार्यक्रम

- ज्ञान गंगा
- शब्द संग्रह
- योग प्रवाह
- विद्या प्रवाह
- संस्कार
- निपुण प्रवाह
- नवोन्मेषी शिक्षक
- बाल कलाकार
- शिक्षक कलाकार
- निपुण विद्यालय
- निपुण छात्र
- निपुण शिक्षक
- बाल सवाल
- बूझ भाई बूझ
- स्टार ऑफ द वीक शिक्षक
- आवश्यकता आधारित ऑनलाइन प्रशिक्षण
- एडूलीडर्स अवार्ड
- एडूलीडर्स पत्रिका
- इनसे मिलिए: विशेषज्ञ चर्चा

## एडूलीडर्स यूपी द्वारा प्रतिदिन भेजे जाने वाले बोर्ड/संदेश/वर्क शीट में सहयोगी टीम

1. बृजेश कुमार गुप्ता, बस्ती
2. विनीत पवार, बुलंदशहर
3. शिप्रा सिंह, जौनपुर
4. डॉ ऊषा सिंह, जौनपुर
5. अविनाश पाल, जौनपुर
6. सुमन गौतम, जौनपुर
7. अंकित यादव, जौनपुर
8. ऋचा सिंह, जौनपुर
9. अनुराग मिश्रा, जौनपुर
10. प्रियंका मिश्रा, जौनपुर
11. अजीता श्रीवास्तव, बाराबंकी
12. प्रतिज्ञा त्रिवेदी, महोबा
13. भावना सुल्लेरे, महोबा
14. प्रीती मिश्रा, उन्नाव
15. सुनीता सिंघल, कानपुर नगर
16. प्रदीप मिश्रा, कौशांबी
17. आराधना श्रीवास्तव, बस्ती
18. अपर्णा श्रीवास्तव, जौनपुर
19. सत्येन्द्र कुमार, हमीरपुर
20. मयंक गुप्ता, अंबेडकर नगर
21. नीलम सिंह, जौनपुर
22. खिलेंद्र सिंह, मुरादाबाद
23. तृप्ति शर्मा, मुरादाबाद
24. श्वेता सोमवंशी, गौतमबुद्ध नगर
25. श्वेता सिंह, जौनपुर
26. आराधना श्रीवास्तव, बस्ती

# एडूलीडर्स यू. पी. द्वारा छात्रों हेतु संचालित कार्यक्रम

बृजेश कुमार गुप्ता, बस्ती

एडूलीडर्स यूपी उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद में कार्यरत शिक्षकों का एक ऐसा मंच जो प्रदेश के युवा राष्ट्रपति पदक प्राप्त शिक्षक श्री सर्वेष्ट मिश्र के नेतृत्व में सभी 75 जनपदों में शिक्षकों द्वारा शिक्षकों के व्यावसायिक विकास हेतु संचालित है जो शिक्षकों को आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण देकर उन्हें सीखने-सिखाने का मंच प्रदान कर उनकी "सफलता की कहानियों" का प्रकाशन कर ऐसे उत्कृष्ट शिक्षकों को प्रतिवर्ष एडूलीडर्स यूपी अवार्ड प्रदान करता है। यह समूह प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत लाखों बच्चों के लर्निंग आउटकम सुनिश्चित करने हेतु विविध गतिविधियों के निर्माण कर उन्हें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत "ग्लोबल सिटीजन" के रूप में तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एडूलीडर्स यूपी द्वारा निम्नलिखित कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं

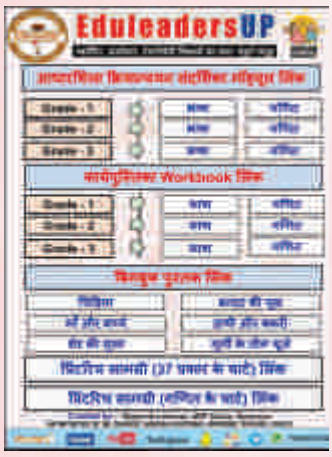

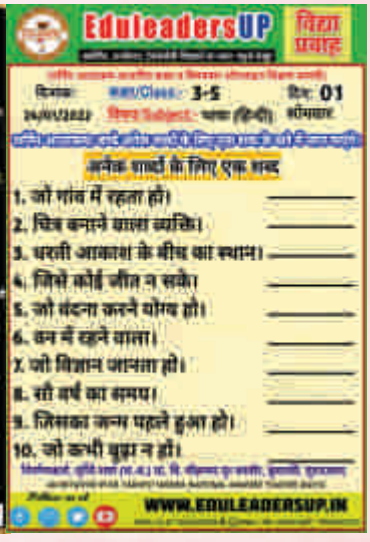

# एडूलीडर्स यू.पी. द्वारा शिक्षकों हेतु संचालित कार्यक्रम

## नवोन्मेषी शिक्षक

एडूलीडर्स यूपी द्वारा वर्ष 2021 में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट व कुछ अलग कार्य कर रहे शिक्षको के कार्यो को एक बड़ा मंच प्रदान करते हुए नवोन्मेषी शिक्षक नाम से एक नई श्रृंखला प्रारम्भ की गई। ऐसे नवोन्मेषी शिक्षकों के कार्यों को एडूलीडर्स यूपी के हजारों की संख्या में पहुँच वाले विभिन्न सोशल मीडिया मंचो पर साझा किया जाता है। शिक्षक द्वारा विद्यालय स्तर पर किए गए अभिनव प्रयासों को प्रदेश के प्रत्येक जनपद तक पहुंचाने का प्रयास किया जाता है ताकि अन्य शिक्षकों को प्रेरणा मिले। उनके नवाचारों, प्रयासों को अब किसी संगठन से नही बल्कि उनके नाम से पहचाना जाता है।

**श्वेता सोमवंशी**

**सहायक अध्यापक, गौतमबुद्धनगर**

खेल-खेल में, शिक्षा, गतिविधियों, आईसीटी, कबाड़ से जुगाड़ माध्यम से बच्चो में विज्ञान की समझ विकसित करने, मिशन प्रेरणा व दूरदर्शन हेतु शैक्षिक वीडियो निर्माण, आकलन विशेषज्ञ के रूप में प्रदेश के असेसमेंट सिस्टम विकास तथा एक उत्कृष्ट शिक्षक व प्रशिक्षक के रूप में उल्लेखनीय कार्य।

## निपुण भारत प्रशिक्षण

एडूलीडर्स यूपी भारत की दक्षताओं को प्राप्त कराने तथा शिक्षकों के क्षमता उन्नयन हेतु अनवरत ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करता रहा है।

## एडूलीडर्स शिक्षक क्षमता विकास

"एडूलीडर्स यूपी: उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद में कार्यरत शिक्षकों का एक ऐसा मंच जो प्रदेश के युवा राष्ट्रपति पदक प्राप्त शिक्षक श्री सर्वेष्ट मिश्र नेतृत्व में सभी 75 जनपदों में शिक्षकों द्वारा शिक्षकों के व्यावसायिक विकास हेतु संचालित है जो शिक्षकों को आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण देकर उन्हें सीखने-सिखाने का मंच प्रदान कर उनकी "सफलता की कहानियों का प्रकाशन कर ऐसे उत्कृष्ट शिक्षकों को प्रतिवर्ष एडूलीडर्स यूपी अवार्ड प्रदान करता है। यह समूह प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत लाखों बच्चों के लर्निंग आउटकम सुनिश्चित करने हेतु गतिविधियों के निर्माण कर उन्हें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत "ग्लोबल सिटीजन" के रूप में तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

## शिक्षक कलाकर

एडूलीडर्स यूपी ने वर्ष 2021 से "शिक्षक कलाकार" श्रृंखला प्रारम्भ की, जिसके अंतर्गत परिषदीय विद्यालयों में शिक्षण कर रहे कला की विविध विधाओं जैसे संगीत, वादन, आर्ट, नृत्य, योगा खेलकूद, व्यायाम आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं, पूरे प्रदेश से ऐसे शिक्षको की खोज कर टीम एडूलीडर्स यूपी उनके हुनर व कला की कहानियां एडूलीडर्स यूपी के वेबसाइट, समस्त जनपदीय व्हाट्सएप समूहों, फेसबुक पेज, ट्विटर व कुटुंब एप सहित विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर प्रसारित करने का कार्य कर रहा है।

**शिक्षक कलाकार**

हृदयेश गोस्वामी, सहायक अध्यापक

उच्च प्राथमिक विद्यालय नैनवारा ब्लॉक महरौनी, जनपद: ललितपुर

हृदयेश गोस्वामी का परिषदीय विद्यालय में अध्ययन से शुरू हुआ रंगमंच का सफर आज भी जारी है करीब 30 वर्षों ये प्रतिष्ठित रामलीला में राम, भरत, सुमंत, बाणासुर के साथ साथ मेघनाद जैसे महत्वपूर्ण रोल निभा रहे है।2017 में संगीत नाटक अकेडमी नई दिल्ली से थियेटर में ट्रैनिंग लेने के पश्चात आज तक थियेटर कलाकार के रूप में कार्य कर रहें हैं, जिसमें खुद की संस्था आरंभ नाट्य कला मंच की स्थापना की जो रंगमंचीय गतिविधियों का प्रसार नगर व नगर के बाहर करने में जुटी हुई है जिसमें स्वयं एक निर्देशक के तौर पर कार्य कर रहे हैं।विभिन्न थियेटर मंचों पर जैसे दमोह, कटनी, टीकमगढ, ललितपुर आदि शहरो में अपनी प्रस्तुति प्रदान की। एक फीचर फिल्म "बंदूक राज" में अभिनय किया। डीडी नैशनल पर धारावाहिक "मेरा देश बुलाए" में अभिनय किया।वीडियो फिल्म महासती अनुसुईया और एक टेलीफिल्म तीसरा कंबल के साथ साथ कोरोना काल में अध्यापकों के साथ मिलकर सभी से घरों के अंदर ही रहकर एक फिल्म का निर्माण किया गया। साथ ही एससीईआरटी के विभिन्न जीवन. कौशल निर्माण हेतु कई शोर्ट फिल्म का निर्माण किया।

## एडूलीडर्स स्टार ऑफ द वीक

इसके अंतर्गत देश के ख्यातिलब्ध/ राष्ट्रीय एवं राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों के साथ उनके शिक्षण अनुभवों पर चर्चा करते हुए प्रत्येक सप्ताह एक घंटे का लाइव यूट्यूब कार्यक्रम प्रसारित किया जाता है।

## एडूलीडर्स पत्रिका

एडूलीडर्स यूपी द्वारा शिक्षको के विचारों को मंच प्रदान करने के लिए त्रैमासिक एडूलीडर्स यूपी पत्रिका प्रकाशन करता है।

# एडूलीडर्स अवार्ड 2020

संतोष कुमार

**लखनऊ।** शिक्षक दिवस के अवसर पर ०५ सितम्बर २०२१ को एडूलीडर्स यूपी के गुरुवंदन कार्यक्रम में बेसिक शिक्षा मंत्री डॉ सतीश द्विवेदी ने प्रदेश के 175 शिक्षको को **एडूलीडर्स अवार्ड 2020** से सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ सतीश द्विवेदी ने कहा कि शिक्षक को समाज में सबसे महत्वपूर्ण दर्जा प्राप्त है। शिक्षक ही ऐसा व्यक्ति होता है जिसकी गोद में उत्पत्ति एवं प्रलय दोनों पलता है। कहा कि माता पिता व गुरुओं द्वारा दी शिक्षा ही हमें रास्ता दिखाती है। सभी शिक्षक एक दूसरे के नवाचारों को साझा करें और एक दूसरे सीख लें। उन्होंने एडूलीउर्स यूपी द्वारा लॉकडाउन के दौरान

ऑनलाइन कक्षाएं चलाने को ऐतिहासिक कदम बताते हुए सभी को बधाई दी। बेसिक शिक्षा निदेशक डॉ सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह ने कहा कि ज्ञान प्राप्ति के लिए हम जीवन भर सीखते रहते हैं। ऐसे शिक्षक जो जिंदगी भर कुछ सीखना चाहते हैं उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्कूल की विषम परिस्थितियों में जिन शिक्षकों ने कोशिश कर बदलाव किया है वही उनका सबसे बड़ा पारितोषिक है। शिक्षकों से उन्होंने उनके जीवन के सर्वश्रेष्ठ शिक्षक की तरह अपने को ढालने की बात कही। अपर शिक्षा निदेशक सुश्री ललिता प्रदीप ने कहा कि शिक्षक अपने छात्रों के बीच केवल पढ़ाई के समय ही नहीं बल्कि आजीवन अपना प्रभाव छोड़ते हैं। उन्होने कहा कि अंदरूनी प्रेरणा शक्ति ही व्यक्ति को हमेशा आगे बढ़ाती है। कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री

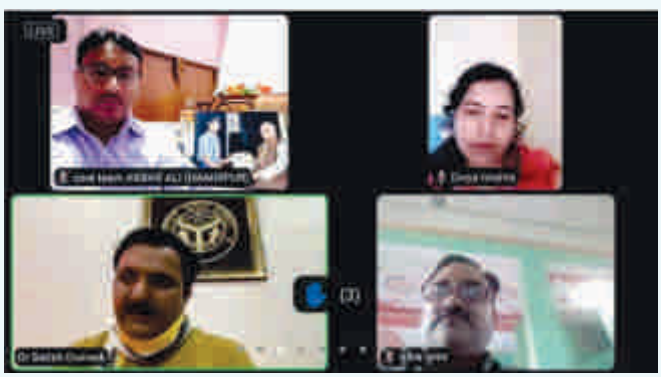

तथा अधिकारीगणों ने एडूलीडर्स समूह व इसके संस्थापक डॉ. सर्वेष्ट मिश्र द्वारा अन्य शिक्षको के व्यावसायिक उत्थान के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम संयोजक व प्रदेश के राष्ट्रपति पदक प्राप्त शिक्षक डॉ सर्वेष्ट मिश्र ने शिक्षको के मिशन प्रेरणा के क्षेत्र में एडूलीडर्स यूपी के प्रयासों की जानकारी दी और बताया कि किस तरह यह अवार्ड प्रदेश के सभी 75 जनपदों से एक एक ऐसे श्रेष्ठ शिक्षक की तलाश कर उसे दिया जा रहा है जो कि अपने विद्यालय में बड़ी ही शांति व बिना दिखावे के कार्य कर रहे थे। सभी ने एडूलीडर्स के अभी तक के प्रयासों पर आधारित एक लघु फिल्म भी देखी जिसमे एडूलीडर्स के प्रयासों व प्रदेश भर से इस अवार्ड के

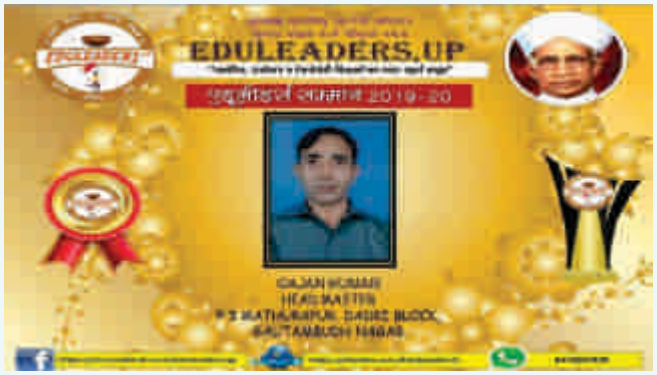


लिए चयनित शिक्षको की कहानियां संकलित हैं। कार्यक्रम में प्रदेश के प्रत्येक जनपद में बेहतरीन कार्य कर रहे १75 तथा इस वर्ष राज्य पुरस्कार के चयनित उत्कृष्ट शिक्षकों को एडुलीडर्स यूपी अवॉर्ड दिए गए। आईएएसई के 4 शिक्षकों, प्रदेश के सभी 75 एडमिन व 15 कोर टीम सदस्यों को एडूलीडर्स कर्मयोगी सम्मान से सम्मानित किया गया। वेबिनार का संचालन डॉ सर्वेष्ट मिश्र व श्वेता सोमवंशी ने किया। कार्यक्रम में आईएएसई प्रयागराज की प्रवक्ता सुश्री दरख्शां आब्दी, अंजना पांडे, स्मिता जायसवाल, रूपाली दिव्यम, तकनीकी विशेषज्ञ शिक्षक विमल आनंद, प्रवक्ता डायट डॉ० प्रदीप जायसवाल, आशुतोष श्रीवास्तव, योगिराज मिश्रा, राम शरण सेठ, अभिवेक श्रीवास्तव, प्रवक्ता डायट, जीतेंद्र सिंह कविराज, रघुनाथ पांडेय सहित लगभग 1000 शिक्षक ऑनलाइन जुड़े रहे। ■

# एडूलीडर्स अवार्ड 2021

## होनहार शिक्षकों के उत्कृष्ट कार्यों की गवाह बनी गुरु गोरक्षनाथ की धरती

**बेसिक शिक्षा मंत्री डॉ. सतीश द्विवेदी जी ने प्रदेश भर के 148 शिक्षकों को प्रदान किए एडूलीडर्स अवार्ड 2021**

**अम्बिकेश त्रिपाठी, अयोध्या**

कार्यालय जिलाधिकारी, गोरखपुर

**गोरखपुर।** स्वप्रेरित ऊर्जावान, टेक्नोसेवी शिक्षकों के स्वतःस्फूर्त समूह एडूलीडर्स यूपी के संयोजन में बेसिक शिक्षा विभाग गोरखपुर द्वारा आयोजित शैक्षिक गुणवत्ता सेमिनार व एडूलीडर्स 2021 सम्मान समारोह में बेसिक शिक्षा मंत्री डॉ. सतीश द्विवेदी जी ने प्रदेश भर के 148 शिक्षकों को एडूलीडर्स 2021 सम्मान प्रदान किए। गोरखपुर के माननीय विधायक डा० राधा मोहन दास अग्रवाल ने कार्यक्रम का उदघाटन करते हुए कई शिक्षको से सीधे बात की और एडूलीडर्स के इस प्रयोग को एक बेहतरीन नवाचार बताते हुए इस प्रयोग को सभी जिलों में आयोजित करने हेतु सरकार को सलाह देने की बात कही। बेसिक शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश की अपर निदेशक सुश्री ललिता प्रदीप ने एडूलीडर्स यूपी द्वारा प्रदेश के हजारों शिक्षकों को उनके व्यवसायिक दक्षता बढ़ाने व उनके उत्साहवर्धन हेतु किए जा रहे प्रयासों को ऐतिहासिक बताया। डायट प्राचार्य डॉ भूपेन्द्र सिंह, सहायक शिक्षा निदेशक डॉ सत्यप्रकाश त्रिपाठी व बीएसए गोरखपुर श्री रमेन्द्र त्रिपाठी ने सभी एडूलीडर्स के कार्यों की प्रशंसा करते हुए एडूलीडर्स यूपी बस्ती के युवा राष्ट्रपति पदक प्राप्त शिक्षक डॉ सर्वेष्ट मिश्र को अन्य शिक्षको के लिए प्रेरक बताया। उन्होने कहा किस तरह साल 2020 में बना एडूलीडर्स यूपी एक ऐसा स्वत:स्फूर्त समूह है जिसकी सभी 75 जनपदों में टीमें है और हर जिले में व्हाट्सप समूहों के माध्यम से हजारों शिक्षक जुड़े है। एडूलीडर्स यूपी ने प्रदेश के हजारों शिक्षकों की उनके व्यावसायिक दक्षता बढ़ाने, उनकी सक्सेज स्टोरी को साझा करने व उन्हें एडूलीडर्स अवार्ड प्रदान करने की एक नई पहल की है। सम्मान समारोह का आयोजन महायोगी गुरु गम्भीर नाथ प्रेक्षागृह में किया गया। बीएसए रमेंद्र कुमार सिंह ने प्रदेश के सभी 75 जनपदों से आए 148 शिक्षकों व अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने प्रतिभागी शिक्षकों का स्वागत करते हुए

कहा कि आज का दिन गोरखपुर के लिये ऐतिहासिक है क्योंकि प्रदेश भर के उत्कृष्ट शिक्षक एक ही मंच पर एकत्र हुए हैं। डायट प्राचार्य डॉ भूपेंद्र कुमार सिंह ने सभी आमंत्रित शिक्षकों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें बेसिक शिक्षा का ब्रांड एम्बेसडर बताया। एडूलीडर्स के संयोजक डॉ सर्वेष्ट मिश्र ने एडूलीडर्स की संकल्पना व कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए सभी शिक्षकों व अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम राज्य शिक्षक पुरस्कार / राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित शिक्षकों ने प्रस्तुतीकरण कर अपने विद्यालयों की सफलता की कहानी साझा की। सम्मान समारोह में शिक्षा मंत्री डॉ० सतीश चन्द्र द्विवेदी ने कहा ईमानदारी के साथ समर्पण नियमितता ही शिक्षक को उत्कृष्ट बनाती है। हर बच्चा अपने मे विशिष्ट होता है। शिक्षक को उसकी क्षमता का मूल्यांकन कर आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिये। शिक्षक का मूल्यांकन गांव के लोगों द्वारा किये जा रहे स्नेह से होता है। डायट प्राचार्य डॉ भूपेंद्र सिंह सहायक शिक्षा निदेशक डॉ. सत्य प्रकाश त्रिपाठी व बीएसए रमेन्द्र कुमार सिंह ने सभी का आह्वान करते हुए कहा कि आप लोग बेसिक के नगीने हैं । आप सभी अपने जनपद में जाकर अन्य शिक्षकों को भी प्रेरित करें। कार्यक्रम में विभिन्न जनपदों से एडूलीडर्स अवार्ड 2021 हेतु चयनित शिक्षको ने अपने कार्यो की पॉवरपॉइंट प्रस्तुति दी।

विशिष्ट अतिथि व पूर्व मंडलीय क्रीड़ा अधिकारी सुश्री निशा मिश्रा ने शिक्षकों से खेल और स्वास्थ्य के मध्य सम्बन्ध बताकर बच्चों के शारीरिक विकास पर ध्यान देने का आह्वान किया। बेसिक शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश की अपर निदेशक सुश्री ललिता प्रदीप ने एडूलीडर्स यूपी द्वारा प्रदेश के हजारों शिक्षको को उनके व्यवसायिक दक्षता बढ़ाने व उनके उत्साहवर्धन हेतु किए जा रहे प्रयासों को प्रशंसा करते हुए कहा कि शिक्षको का बहुत बड़ा महत्व है। शिक्षक रचनाकार होते है और उनकी उत्कृष्टता ही समाज को नई दिशा प्रदान करती है। कार्यक्रम में एडूलीडर्स यूपी द्वारा पिछले डेढ़ वर्ष की यात्रा के बारे में सभी को अवगत कराते हुए एक वीडियो फिल्म की प्रस्तुति दी गई। बेसिक शिक्षा मंत्री डॉ सतीश द्विवेदी व विशिष्ट अतिथियों द्वारा एडूलीडर्स पत्रिका का विमोचन किया गया जिसमें सभी एडूलीडर्स सम्मान से सम्मानित शिक्षकों के प्रयासों का साचित्र प्रकाशन किया गया है। बेसिक शिक्षा मंत्री डॉ सतीश द्विवेदी ने कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग में ऐसे बहुत से शिक्षक है जिन्होंने अपनी कर्मठता से बेसिक की तस्वीर बदल दी है। उन्होने विभिन्न प्रकार के नवाचारों के माध्यम से सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित विद्यालयों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे शिक्षकों के लिये साधुवाद देते हुए कहा कि इन्ही शिक्षकों के कारण ही बेसिक शिक्षा नई ऊचाइयों को स्पर्श कर रही है। उन्होने कहा कि सरकार द्वारा चलाये गए ऑपरेशन कायाकल्प से विद्यालयों में मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हुई है। कार्यक्रम के अंत मे बेसिक शिक्षा मंत्री ने प्रदेश भर के 148 शिक्षकों को एडूलीडर्स सम्मान के रूप में स्मृति चिहन व प्रमाण पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम का संचालन मो. सदक ए हुसैन ने किया। अंत में अतिथियों का आभार डॉ सर्वेष्ट मिश्र व बेसिक शिक्षा विभाग गोरखपुर के जिला समन्वयक श्री विवेक जायसवाल ने किया। ■

UMAGA
TECHNOLOGIES
Works on empowering students by upgrading their technical skills through expertise in Robotics and Automation and shaping the future by bridging the gap between practical and theoretical knowledge.
www.umaga.in


PIONEER MONTESSORI SCHOOL
E-mail : pmseldeco@rediffmail.com • Website : www.pioneermontessori.in
Proudly announces its affiliation to
C.B.S.E Board, New Delhi
ELDECO Branch
I.C.S.E./I.S.C Board, New Delhi
Jankipuram Branch
I.C.S.E. Board, New Delhi
Vikas Nagar Branch
ADMISSION OPEN IN ALL BRANCHES
Er. Brajendra Singh
Manager
Tel.: 0522-2446377, 2447730
PIONEER MAHILA
POST GRADUATE COLLEGE
ADMISSION OPEN
Courses
B.sc
M.sc
B.com
M.com
B.A
Ph. No:- 05248-220109

# कोविड काल के दौरान प्रदेश के शिक्षकों के लिए प्रत्येक जनपद में लर्निंग असेसमेंट वेबिनार

आशुतोष श्रीवास्तव, प्रवक्ता,डायट, आजमगढ़

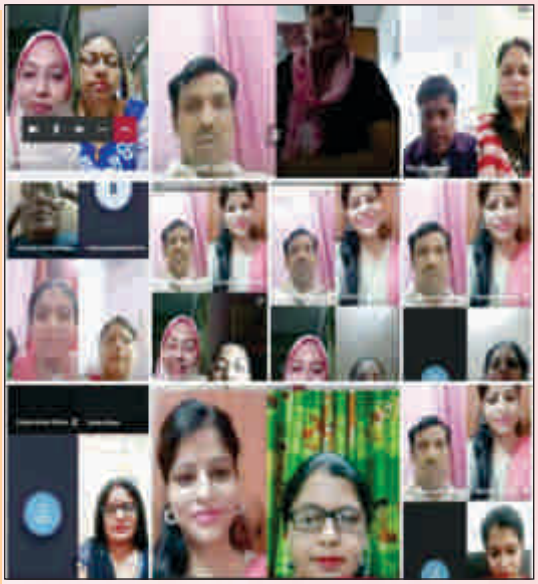

कोविड लॉकडाउन के दौरान माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के उद्बोधन "चुनौतियों को अवसर में बदलें" से प्रेरित होकर उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षकों के व्यावसायिक विकास हेतु राष्ट्रपति पदक प्राप्त शिक्षक डॉ सर्वेष्ट मिश्र ने एडूलीडर्स यूपी का गठन किया। जिसमे उत्तर प्रदेश के सभी 75 जनपदो के 100 स्वप्रेरित, ऊर्जावान, टेक्नोसेवी शिक्षकों का स्वतःस्फूर्त शिक्षक शामिल हुए और 9 अप्रैल 2020 से एडूलीडर्स यूपी के वेबिनारो की श्रृंखला प्रारम्भ की। राज्य शैक्षिक तकनीकी संस्थान उ. प्र. के सहयोग से शुरुआत के 6 माह के भीतर ही प्रदेश के सभी 75 जनपदों से लगभग 45000 शिक्षकों को लर्निंग अससेमेंट, स्कूल लीडरशिप तथा शिक्षा में आईसीटी के प्रयोग विषय पर प्रशिक्षित किया गया। एडूलीडर्स यूपी द्वारा अभी तक राज्य भर में विविध विषयों पर संचालित किए जा चुके दो लाख से अधिक शिक्षकों को प्रशिक्षित कर एक नया कीर्तिमान बनाया है। अद्यतन एडूलीडर्स के विभिन्न कार्यक्रमों में माननीय बेसिक शिक्षा मंत्री उत्तर प्रदेश डॉ सतीश द्विवेदी जी, नीति आयोग के सलाहकार श्री आलोक कुमार जी, महानिदेशक स्कूल शिक्षा श्री विजय किरन आनन्द जी, नीति आयोग के डिप्टी सलाहकार श्री हर्षित मिश्र जी, निदेशक बेसिक शिक्षा व एससीईआरटी डॉ सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह जी, एनसीईआरटी के संयुक्त निदेशक डॉ ए पी बेहरा, नीपा की विशेषज्ञ डॉ चारु स्मिता मलिक सहित देश के जाने-माने शिक्षाविदों ने विशेषज्ञ के रूप में अपने प्रेरक उद्बोधन से सहयोग प्रदान किया।

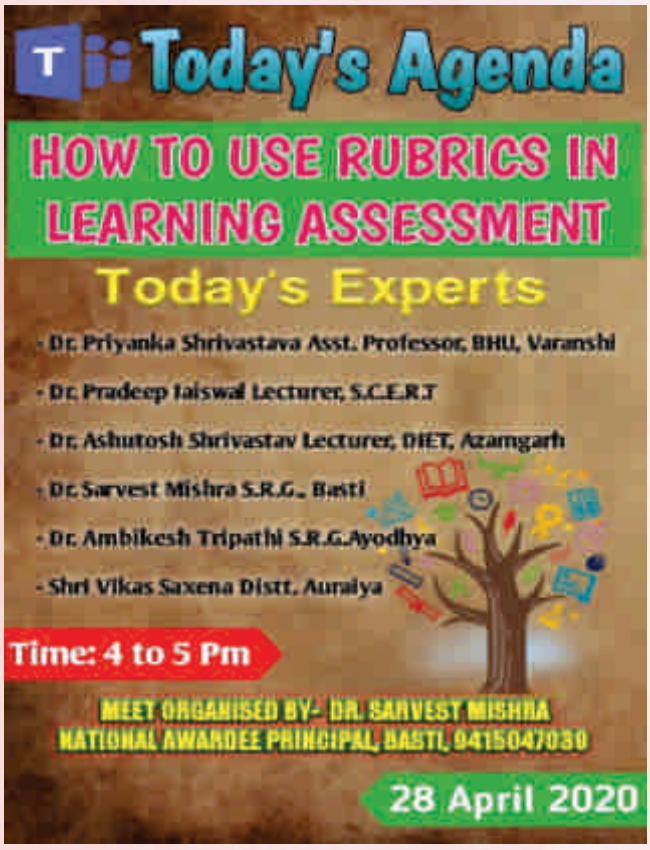


# राज्य स्तरीय प्रथम लर्निंग असेसमेंट वेबिनार

**दिनांक 09 अप्रैल 2020 से 3 मई 2020. अवधि: 23 दिवस 30 घण्टे**

### पहला दिन

पहले दिन बड़ी संख्या में शिक्षक इस लाइव संवाद कार्यक्रम में जुड़कर आकलन व उसके विविध पक्षों के महत्व विशेषकर स्कूल स्तर आंकलन, उसकी बारीकियो, प्रश्नपत्र निर्माण व उसके सिद्धांत, एक अच्छा प्रश्नपत्र कैसे बनाएं व डाटा एनालसिस की विशेषताओं के बारे में सामान्य आवधारणा के बारे में जानकारी हासिल की।

### दूसरा दिन

दूसरे दिन विशेषज्ञ के रूप में Australian Council of Educational Research की भारत में वरिष्ठ विशेषज्ञ अनुराधा शर्मा जी जुड़ी । उन्होंने कार्यक्रम के दौरान पहले शिक्षकों से आकलन के बारे में उनकी राय ली व उनके सवालों का जबाब दिया। कार्यक्रम में उन्होंने बटर फ्लाई वीडियो के सहारे आकलन की अवधारणा को स्पष्ट किया।

# शिक्षकों के ऑनलाइन प्रशिक्षण में शामिल हुए शिक्षामंत्री

कार्यशाला

बेसिक शिक्षा

कार्यशाला में इस पर रहा जोर

### तीसरा दिन

विशेषज्ञ के रूप में Australian Council of Educational Research की भारत मे वरिष्ठ विशेषज्ञ श्रीमती अनुराधाशर्मा जी ने Universal Design of Assessment, आकलन व परीक्षा में अंतर, आकलन प्रक्रिया, उसका उद्देश्य, फॉर्मेटिव व सम्मटिव एससेमेंट व असेसमेंट संपादित करने के तरीके, दिव्यांग बच्चों का आकलन कैसे करें, आकलन में डाटा कलेक्शन कैसे, मूल्यांकन व आकलन में भेद जैसे विषयों पर विचार प्रस्तुत किए।

### चौथा दिन

Australian Council of Educational Research की भारत मे वरिष्ठ विशेषज्ञ श्रीमती अनुराधा शर्मा जी ने प्रदेश के विभिन्न जनपदों से जुड़े शिक्षकों को असेसमेंट व उससे जुड़े विभिन्न विषयो पर अपने विचार रखे।

### पांचवा दिन

विशेषज्ञ के रूप में राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, लखनऊ के शोध प्रवक्ता डॉ प्रदीप जायसवाल जी ने प्रदेश के विभिन्न जनपदों से जुड़े शिक्षकों को स्टेट एचीवमेंट टेस्ट के बारे में विस्तार से जानकारी दी।




### छठवां दिन

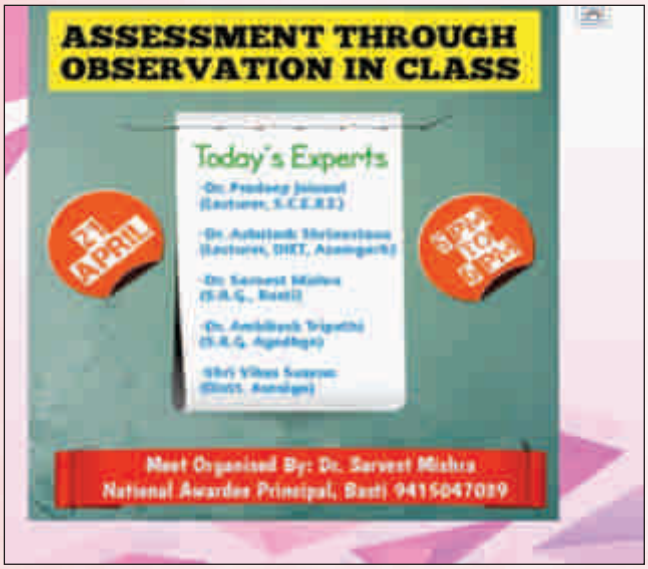

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद लखनऊ के शोध प्रवक्ता डॉ प्रदीप जायसवाल जी ने नेशनल अचीवमेंट सर्वे के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

### सातवां दिन

अंतराष्ट्रीय, राष्ट्रीय स्तर व राज्य स्तर के शैक्षिक आकलन कार्यक्रमो पर चर्चा हुई। विशेषज्ञ के रूप में राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद लखनऊ के शोध प्रवक्ता डॉ प्रदीप जायसवाल जी ने प्रदेश के विभिन्न जनपदों से जुड़े शिक्षकों को आकलन से सम्बंधित प्रश्नों के विस्तार से जबाब दिए।

### आठवां दिन

अंतर्राष्ट्रीय असेसमेंट कार्यक्रमो जैसे PISA-Program for International Student Assessment TIMMS-Trends in International Mathematics and Science Study PIRLS-Progress in International Reading Literacy Study की जानकारी दी।

### नवां दिन

विद्यालय स्तरीय आँकलन के बारे में संरचनात्मक व समेकित आकलन पद्धति पर विस्तार पूर्वक हुई।

### दसवां दिन

मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त शिक्षक श्री आशुतोष आनन्द अवस्थी ने HSP पर Quiz बनाने की प्रक्रिया को पॉवर पॉइंट के माध्यम से विस्तृत रूप में सभी साथी शिक्षकों के साथ साझा किया।

### ग्यारहवां दिन

ACER से विशेषज्ञ अनुराधा शर्मा ने सर्वप्रथम लर्निंग आउटकम को स्पष्ट किया। साथी शिक्षकों ने अपने- अपने अनुभव एव विचार प्रस्तुत किये। मूलतः सैद्धान्तिक रूप से अधिकत्तर शिक्षक लर्निंग आउटकम शब्द से परिचित थे किंतु इसको अधिक स्पष्ट एवं गूढ़ अध्ययन हेतु उनके द्वारा उदाहरण व अपने अनुभव के आधार पर इसे समझने के लिए एक टॉस्क के रूप में दिया गया।

### 12वाँ दिन

मुख्य वक्ता के रूप में दो विशेषज्ञ श्री आशुतोष श्रीवास्तव जी (प्रवक्ता आजमगढ़ डायट व श्रीमती अनुराधा शर्मा जी ( ACER) ने क्रमशः एक बच्चा कैसे सीखता है?

सीखने में विद्यार्थी में किन चीजों का विकास होता है? संज्ञानात्मक कौशल क्या है? ये कौन कौन से कौशल है? ब्लूमी टैक्सॉनोमी क्या है? टूल्स एवं टेक्निक्स क्या है? आदि विषयों को सरलता से स्पष्ट किया। तत्पश्चात श्रीमती अनुराधा शर्मा जी ने पुनः लर्निंग आउटकम पर चर्चा की।

"Assessment Through Observation in Classroom" विषय पर उपयोगी चर्चा हुई। मुख्य वक्ता के रूप में विशेषज्ञ राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के प्रवक्ता डा प्रदीप जायसवाल ने लर्निंग आउटकम की ऑकलन में भूमिका, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा सहित विभिन्न बिन्दुओं पर पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से अपनी बात रखी।

**तेरहवां दिन**

मुख्य वक्ता के रूप में विशेषज्ञ श्री आशुतोष श्रीवास्तव प्रवक्ता, (आजमगढ़ डायट) ने टेस्ट डेवलपमेंट के प्रोसेस एंड स्टेप्स, कक्षा-कक्ष के संबंध में हम कक्षा में क्या देखते हैं? क्या- क्या बिंदु हैं? जिनसे हम यह स्पष्ट कर पाए कि बच्चा सीख रहा हैं या सीखने की तरफ अग्रसर हैं। संगठित मूल्यांकन एवं इसके सिद्धांत को स्पष्ट किया गया।

**चौदहवां दिन**

मुख्य वक्ता के रूप में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से असिस्टेन्ट प्रोफेसर (शिक्षा संकाय) से श्रीमती प्रियंका श्रीवास्तव जी जुड़ी। उन्होंने बताया कि आंकलन को रेखांकित करने के लिए सर्वप्रथम आंकलन के उद्देश्य स्पष्ट होने चाहिए। एक शिक्षक के रूप में बच्चे की अंतः निहित शक्तियों का विकास करना हमारा उद्देश्य होना चाहिए। हमें सज्ञानात्मक, प्रोत्साहित व मनोप्रेरणा तीनों क्षेत्रों पर ध्यान देना हैं।

**पंद्रहवां दिन**

"सक्सेज क्राइटेरिया इन असेसमेंट" विषय पर सार्थक चर्चा हुई। मुख्य वक्ता के रूप में विशेषज्ञ डॉ आशुतोष श्रीवास्तव, प्रवक्ता, (आजमगढ़ डायट) ने सफलता का

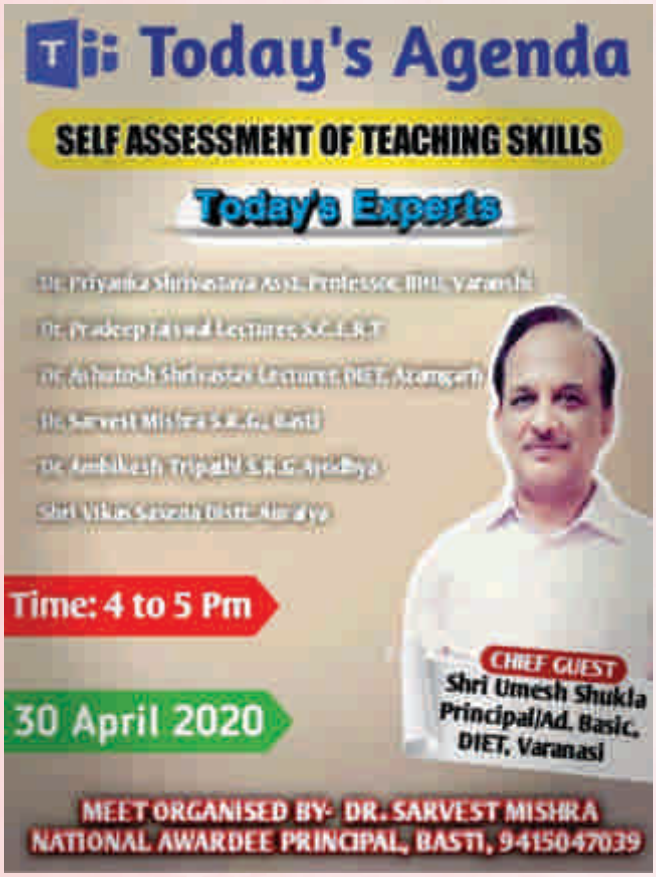


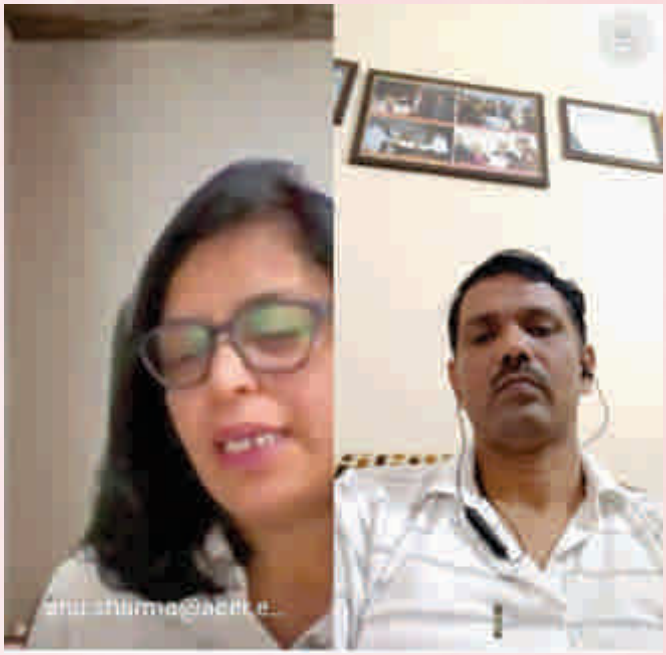

मापदंड (Success Criteria) क्या हैं? इसे स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि वास्तव में बच्चों को उनके बारे में जागरूक करने का एक अच्छा तरीका जो उन्हें पाठ के दौरान खुद को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करता हैं। आंकलन में इसका महत्व? शिक्षण के लक्ष्य (Learning Goals) क्या है? इसे कैसे बनाएंगे ? को स्पष्ट किया।

**सोलहवां दिन**

आकलन में "सफलता मापदंड" एवं "रुब्रिक्स को विकसित करना" विषय पर उपयोगी चर्चा हुई। मुख्य वक्ता के रूप में विशेषज्ञ श्रीमती अनुराधा शर्मा वरिष्ठ विशेषज्ञ (ACER) ने सफलता मापदंड की परिभाषा स्पष्ट करते हुए बताया कि जब हम बच्चों को कोई गृह कार्य देते हुए कहते हैं कि हम आपके किये गए कार्य का मूल्यांकन करेंगे तो बच्चों में नकारात्मकता आती हैं. उनमे भय उत्पन्न होता है। ऐसी स्थिति के बचने के लिए हम सक्सेज क्राइटेरिया बनाते हैं। एक अच्छी सक्सेज क्राइटेरिया वह होती है जो बच्चों भी सहभागिता से तैयार की गई हो। ऐसे में बच्चे स्वयं यह जान पाएंगे कि उनको किन बिंदुओं को पूरा करते हुए कार्य पूरा करना हैं। ऐसे में दोनों के आनंदित वातावरण में कार्य करने से लक्ष्य की सम्प्राप्ति आसान होगी। ऐसा करने के लिए बच्चों को कोई स्पष्ट कार्य की रूपरेखा दिशा-निर्देशन के रूप में भी दिखा सकते हैं। साथ ही कक्षा को केंद्रित करने हेतु बीच-बीच में गलत भी बोल सकते हैं। इससे स्पष्ट होगा कि कक्षा-कक्ष आपके अनुरूप चल रहा हैं या नहीं। बच्चे एकाग्रता से प्रतिभाग कर रहे या नहीं।

**सत्रहवां दिन**

Ceating Rubrics Learning Assessment विषय पर उपयोगी चर्चा हुई। मुख्य वक्ता श्रीमती अनुराधा शर्मा @ACER ने पिछले सत्र में दिए गए होमवर्क "आप अपने किसी एक कक्षा के लिए सक्सेस क्राइटेरिया का निर्माण करें और उस पर अधिकतम 200 शब्दों में अपने विचार लिखें" पर विस्तृत चर्चा की।

**अठारहवां दिन**

मुख्य वक्ता श्री आशुतोष श्रीवास्तव, प्रवक्ता, आजमगढ़ डायट) ने रुब्रिक्स कई सफलता मापदंड को स्केल के साथ जोड़ कर बने चार्ट को ही रूब्रिक्स कहते हैं। साथ ही सीखने के लिए मूल्यांकन (Assessment for Learning), सीखने के रूप में मूल्यांकन (Assessment as Learning), सीखने का आंकलन (Assessment

of Learning) को स्पष्ट किया गया।

**उन्नीसवां दिन**

मुख्य वक्ता श्री आशुतोष श्रीवास्तव, प्रवक्ता, आजमगढ़ डायट ने रुब्रिक्स के संदर्भ में गत सत्र के सभी बिंदुओं को योजनाबद्ध रूप से टीम वर्क, प्लानिंग, टूल्स, कम्युनिकेशन स्किल मैनेजमेंट, प्रोसेस चेक पॉइंट को स्पष्ट किया।

**बीसवां दिन**

मुख्य वक्ता के रूप में श्री उमेश शुक्ला (प्राचार्य एडीबेसिक डायट वाराणसी) ने सर्वप्रथम नेतृत्व गुण की बात को 4 चरणों में स्पष्ट करते हुए कहा कि एक शिक्षक के तौर पर बच्चों के साथ संबंधों और पाठ्यक्रम दोनों को महत्व देते हैं यह सबसे अच्छा नेतृत्व गुण होता हैं। दूसरा बताया कि संबंध अच्छे रहते लेकिन पाठ्यक्रम पूरा नही कर पाते। तीसरा संबंध अच्छे नहीं होते किन्तु पाठ्यक्रम पर ध्यान देते हैं। इसे तानाशाही नेतृत्व भी कहते हैं। चौथे में न तो संबंध अच्छे होते और न ही पाठ्यक्रम पर ध्यान दिया जाता, इसे उदासीन शिक्षण नेतृत्व कहते हैं।

**इक्कीसवां दिन**

Item Development In Assessment विषय पर उपयोगी चर्चा हुई। सेशन की शुरुआत में मुख्य वक्ता श्री आशुतोष श्रीवास्तव प्रवक्ता, आजमगढ़ डायट) ने स्कूल का मूल्यांकन चक्र के अंतर्गत दो चरण बताये पहला Item Formation (All step of item development ) दूसरा Item Analysis (Qualitative & Quantitative Analysis) परीक्षण में प्रयुक्त शब्दावली के उपकरण होते हैं जो छात्रों के ज्ञान विशेष कार्य को मापने की क्षमता रखते हैं। इसके अंतर्गत तीन बिंदु क्रमशजेड 1- टेस्ट ब्लूप्रिंट 2- आइटम डेवलपमेंट 3- आइटम फॉरमेट आइटम डेवलपमेंट में बहुविकल्पीय ही क्यों के संदर्भ में मान्यता, मूल्य, लागत प्रभावी को स्पष्ट किया।

**बाइसवां दिन**

Tools Making विषय पर उपयोगी चर्चा हुई। मुख्य वक्ता श्रीमती अनुराधा शर्मा, वरिष्ठ विशेषज्ञ (ACER) ने गृहकार्य के रूप में प्रतिभागियों द्वारा बनाए गए आइटम टूल्स पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए सकारात्मक विचार प्रस्तुत किये। उन्होंने बताया कि हम स्वयं के बनाये हुए प्रश्नावली को इस मंच पर बताये गए पैमाने से मापे टूल्स निर्माण एक कला है, जो निरंतर अभ्यास से आएगी। प्रायः जो बच्चों द्वारा गलतियां की जाती हैं, अपने अनुभव के द्वारा उन्हें डिस्ट्रेक्टर्स में शामिल करें। टूल्स के प्रश्न में रटकर टिक करने जैसा कंटेंट नहीं होना चाहिए। शिक्षको के ऑनलाइन प्रशिक्षण में मा० शिक्षामंत्री श्री सतीश द्विवेदी जी ने शिक्षको से सीधी बातचीत की -अपने बीच मा० शिक्षामंत्री जी को पाकर उत्साहित शिक्षकों ने और बेहतर कार्य करने का संकल्प लिया। ■

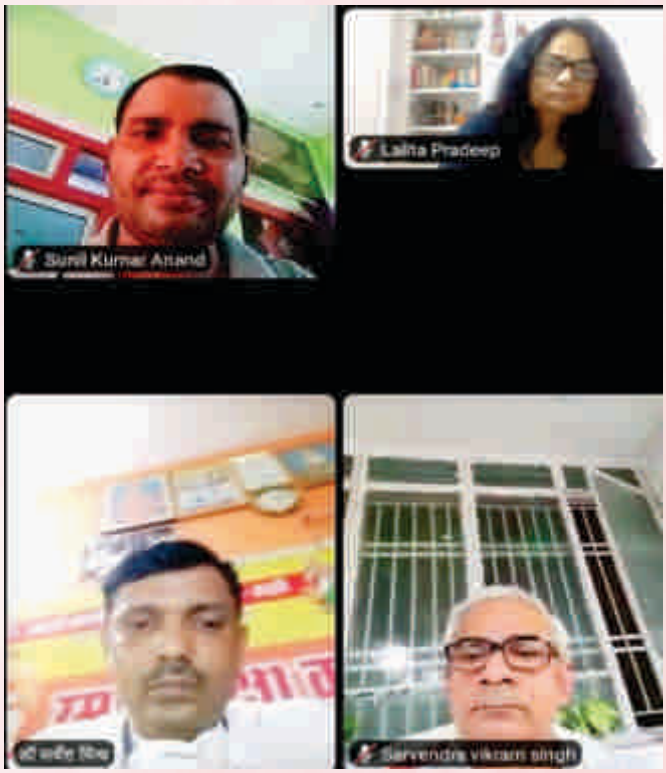

# प्रदेश के शिक्षकों के लिए प्रत्येक जनपद में स्कूल लीडरशिप वेबिनार

श्वेता सोमवंशी, गौतमबुद्धनगर

राज्य शैक्षिक तकनीकी संस्थान उत्तर प्रदेश व एडूलीडर्स यूपी द्वारा आयोजित 10 दिवसीय वेबिनार आधारित ऑनलाइन नेतृत्व क्षमता विकास कार्यशाला का उद्घाटन प्रदेश के बेसिक शिक्षा निदेशक डॉ सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह ने किया। राष्ट्रीय शैक्षिक एवं प्रबंधन विश्वविद्यालय न्यूपा नई दिल्ली द्वारा शिक्षकों के नेतृत्व क्षमता विकास हेतु विकसित 10 दिवसीय लीडरशीप पाठ्यक्रम पर आधारित इस 10 दिन व 15 घण्टे के वेबिनार का आयोजन बस्ती जनपद के राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान प्राप्त शिक्षक डॉ सर्वेष्ट मिश्र के निर्देशन में हुआ।

इस अवसर पर बेसिक शिक्षा निदेशक डॉ सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह ने कहा कि बच्चे उन लोगों से नही सीखते जिनको वह पसंद नहीं करते। अतः बच्चों का पसंदीदा बनें। जिससे बच्चों को सीखने में मजा आए। उन्होंने कहा कि बच्चों के प्रयासों की प्रशंसा करें। जिनके प्रयासों की प्रशंसा की जाती हैं वह अपने जीवन मे बेहतर करते हैं। उन्होंने शिक्षकों का आह्वान किया कि उन्हें अपने व्यक्तित्व की अच्छाइयों व बुराइयों की स्वयं लिस्ट बनानी चाहिए और उसमे जो चीजें ज्ञान व टैलेंट से जुड़ी हों उसे उभारना चाहिए। जो काम आप नहीं करना चाहते व जिससे ऊर्जा प्रभावित होती हैं व समय नष्ट होता हैं, उन्हें त्याग देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर दिन कुछ नया सीखने की कोशिश करें। हर व्यक्ति के मन में एक सपना बुनना सिखाएं, इससे एक प्रेरणा प्राप्त होती हैं।

उन्होंने कहा कि जो भी बच्चे हमारे पास आते है वह विभिन्न कठिनाइयों व अभावों से ग्रसित होते हैं, उन्हें स्नेह मिलता हैं तो उन्हें लगता हमारा समय अच्छा बीत रहा है। बच्चों को आत्म- अभिव्यक्ति से प्रेरित लेखन हेतु प्रोत्साहित करें। और उन्हें अपने माँ के नाम पत्र लिखने को कहें। ऐसे पत्रों को शेयर भी करें। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वह अपने जीवन में आए अपने आदर्श शिक्षकों तथा 2-3 ऐसे व्यक्तियों के नाम की सूची बनाने को कहा जिन्होने उनकी प्रशंसा की हो।

विशिष्ट अतिथि राज्य शैक्षिक एवं तकनीकी संस्थान की निदेशक सुश्री ललिता प्रदीप ने कहा कि अच्छा नेता वहीं होता हैं जो अपने पीछे फॉलोवर नहीं बल्कि नेता विकसित करता हैं। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को अपने गुणों, प्रतिभा का उपयोग अपने हर रोल /पद पर रहकर करना चाहिए। न्यूपा नई दिल्ली की विशेषज्ञ डॉ चारु मलिक ने कहा लीडरशिप के माध्यम से ज्ञान, कौशल, एटीट्यूड को विकसित करना हैं। ज्ञान के घटक अलग- अलग हो सकते हैं। ज्ञान ज़रूरी हैं, विद्यालय संचालन के लिए कुशल लीडरशिप में सहायक हैं। एटीट्यूड सकरात्मक होना चाहिए जिससे कि हम समस्यायों का सामना कर सके, उससे भागे नहीं। आस्ट्रेलियन काउंसिल फॉर एजुकेशनल रिसर्च की विशेषज्ञ श्रीमती अनुराधा शर्मा ने कहा कि शिक्षक किस प्रकार अपने कुशल नेतृत्व से समाज की दिशा बदल सकते हैं। एचसीएल फाउंडेशन की सुधा कुमारी व आशीष कुमार सिंह ने लॉकडाउन में बच्चों को पढ़ने व व्यस्त रखने हेतु संस्था के प्रयासो की

जानकारी दी।

कार्यशाला संयोजक राष्ट्रपति पदक प्राप्त शिक्षक डॉ सर्वेष्ट मिश्र ने पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए सभी 75 जनपदों से जुड़े सभी 250 शिक्षकों का संक्षिप्त परिचय देते हुए कहा कि जब बच्चा पहले दिन स्कूल आता हैं, उसके पहले दिन की कॉपी या उसके कार्यों को संजो कर रखे। समय के साथ उसमे आये हुए परिवर्तन को आप देख सकते हैं। उन्होंने बच्चों को आत्म- अभिव्यक्ति का अवसर देने के लिए सबसे अच्छा समय विद्यायल प्रार्थना सभा को बताया।

### पहला दिन

प्रथम दिवस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता SIET उ.प्र. की निदेशक सुश्री ललिता प्रदीप जी ने महत्वपूर्ण चर्चा की। उन्होंने नेतृत्व को परिभाषित करते हुए बताया कि "नेतृत्व सामान्य लोगों से असाधारण उपलब्धि प्राप्त करने की क्षमता है"। उन्होंने नेतृत्व के निम्नलिखित पाँच सिद्धांतो पर विस्तृत चर्चा की।

' 1- करिश्माई सिद्धांत 2- गुण 3- व्यवहार के आधार पर 4- परिस्थिति के आधार पर। 5-परिवर्तन के आधार पर। उन्होंने कहा कि नेतृत्व जन्मजात गुण होता हैं। एक कुशल नेतृत्व वह कहलाता हैं जिसमें लोगों को जोड़ने की क्षमता हो। वह दूरदर्शी, ऊर्जावान, सचेतन, प्रेरक, सामाजिक, मानवीय, सही और गलत की पहचान कर सकने वाला हो। असामान्य परिस्थिति में हमें कभी- कभी तुरंत निर्णय लेने होते हैं। इसे परिस्थिति के आधार पर नेतृत्व कहते हैं। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक के तौर पर हमें छात्रों में नेतृत्व के गुणों का विकास करना एक महत्वपूर्ण कार्य हैं। उनके भीतर यह विकास हम उन्हें छोटी- छोटी जिम्मेदारी के रूप में देकर कर सकते हैं। नेतृत्व की शैली भी हमारे काम को प्रभावित करती है। उन्होंने बताया कि नेतृत्व की तीन तरह की शैलियां देखी जाती हैं। - 1- निरंकुश शैली 2- प्रजातांत्रिक 3- स्वतंत्र शैली। निरंकुश शैली तब अपनानी चाहिए जब समय कम और निर्णय तुरंत लेने होते है। जब हम अकुशल लोगों के साथ कार्य को करते हैं तब यह लाभदायी होती हैं। किंतु नकारात्मक पक्ष यह है कि लोगों को हतोत्साहित करती हैं।

### दूसरा दिन

द्वितीय दिवस मुख्य वक्ता डॉ चारु स्मिता मलिक, NUEPA, नई दिल्ली रही। डॉ चारु मलिक ने कहा कि एक नेतृत्वकर्ता के लिए स्वयं को समझना व स्वयं का विकास करना दो प्रमुख सोपान हैं। नेतृत्त्व कोई बाहरी वस्तु नहीं हैं, जिसे पाना हो। अपितु यह स्वयं के अंदर झाँकना हैं। किसी भी क्षेत्र में स्वयं की भागीदारी सबसे ज़्यादा महत्वपूर्ण हैं। नेतृत्व में ज्ञान से ज़्यादा दृष्टिकोण महत्वपूर्ण होता हैं। सर्वप्रथम स्वयं की भागीदारी तत्पश्चात स्वयं का चिंतन उसके बाद ख़ुद दृष्टिकोण ऐसा होना चाहिए कि स्वयं द्वारा किये गए कार्य की जवाबदेही भी मेरी स्वयं की हो। स्वयं के विकास के लिए सबसे बेहतर चीज़ स्वयं में झाँकना हैं। इसी संदर्भ में कुछ बेहतरीन उदाहरण भी सुझाये जैसे एक मोमबत्ती/ दिये के सामने एकाग्रचित होकर खुद के बारे में सोचें। इसके अलावा डायरी राइटिंग से विचारों में स्पष्टीकरण आता है। और यह दोनों ही माध्यम हमें स्वप्रेरित करते हैं। स्वप्रेरणा स्थायी होती हैं। इसे और अधिक स्पष्ट करते हुए उन्होने कहा कि स्वयं जड़त्व नहीं हैं, यह निरंतर प्रगतिशील होता हैं। एक अच्छा लीडर वही होता है जो अपनी चिंताओं से जूझ कर उसे प्रभाव में बदल देता हैं।

### तीसरा दिन

तीसरे दिन की मुख्य वक्ता ऑस्ट्रेलियन कॉउन्सिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च की श्रीमती अनुराधा शर्मा ने लीडर शब्द को परिभाषित करते हुए कहा कि नेतृत्व

दृष्टि को वास्तविकता में अनुवाद करने की क्षमता है। साथ ही बेहद महत्वपूर्ण बात कही गयी कि कभी - कभी छोटी- से- छोटी बात या आपके द्वारा किया गया कार्य किसी के पूरे जीवन को बदल देते हैं। उन्होंने विद्यालयी शिक्षा के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। साथ ही एक बच्चा कैसे सीखता है? बाल केंद्रित शिक्षा क्या हैं? नेतृत्व के विभिन्न मॉडल्स व उनके फीचर्स पर चर्चा की गई। तोत्तो चान कहानी का उदाहरण प्रस्तुत किया गया कि कैसे कम साधन व संसाधन व स्व- प्रेरण की मदद से तोत्तो चान के प्रधानाध्यापक ने न केवल विद्यालय को बल्कि प्रत्येक बच्चों में प्रेरणा का संचार किया था। उन्होंने यहाँ नेतृत्व को बेहद खूबसूरती से स्पष्ट किया कि एक शिक्षक के तौर पर नेतृत्व बच्चों से जुड़ाव हैं। हम जितना उनसे जुड़ेंगे, उतना ही उन्हें समझ कर उनके सीखने में आ रही बाधाओं को दूर कर पाएंगे।

### चौथा दिन

चौथे दिन वक्ता के रूप में जुड़ी श्रीमती नीलम( SRG, मेरठ) ने बताया कि एक शिक्षक के तौर पर विभिन्न रोल व गुणों को समावेश करना आवश्यक हैं। उन्होंने बताया कि एक शिक्षक किसान की भूमिका में अपने शिष्य को बीज की भांति सिंचित करता है, वह स्वतंत्र रूप से पनप सके। एक दूरदर्शी की भूमिका में वह दृष्टि को बढ़ाने के साथ-साथ अपने शिष्यों में अन्वेषण की पंखुड़ियों को भी रक्त देते हैं। एक मार्गदर्शक की भूमिका में देखता हैं कि उसका शिष्य रास्ते से भटक न पाए। एक प्रेरक की भूमिका में किसी भी परिस्थिति में ऊर्जावान बनाने का प्रयत्नशील रहता हैं। एक शिक्षक चुनौती देने वाला भी होता हैं जो आगे निकलने में विश्वास रखता है और सभी के लिए एक उदाहरण देता है।

### पांचवा दिन

5वें दिन विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री पंकज श्रीवास्तव (DGM, ONGC[HQ], दिल्ली) से जुड़े, उन्होंने टीम कार्य एवं उत्पादकता के बिंदु पर हमारे साथ अपने कार्यक्षेत्र से संबंधित विभिन्न अनुभवों को साझा किया। उन्होंने बताया कि अपने विद्यार्थी जीवन में जितना भी ज्ञान हम सृजित करते हैं, जब व्यावसायिक रूप से नेतृत्व हेतु हम नियुक्त होते हैं तो जरूरत होती हैं कि हम सभी ज्ञान को खंगाले और व्यवहारिक पटल पर उसे उतारे। उन्होंने बड़ी खूबसूरत बात कहीं की न तो कोई लीडर होता है न कोई फॉलोवर क्योंकि सभी का लक्ष्य एक

होता हैं जो एक साथ सामूहिक रूप से ही कार्य करके प्राप्त किया जा सकता हैं।

मुख्य वक्ता श्री उमेश शुक्ला (डायट प्राचार्य, वाराणसी) ने "टीम निर्माण एवं नेतृत्व" विषय पर उन्होंने क्रमशः टीम बनाना, टीम के कार्यो को प्रमोट करना, एक टीम लीडर की भूमिका को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि अगर सभी एक लक्ष्य की ओर कार्य करते हैं तभी वह टीम होती है अन्यथा भीड़ मात्र होती हैं। टीम में ज़िम्मेदारी का अहम रोल होता हैं, हमें उन्हें प्रेरित करना चाहिए कि आप स्वयं अपनी क्षमता के अनुसार ज़िम्मेदारी लें। टीम होने का सबसे बेहतरीन गुण होता है कि एक-दूसरे की कमियों को स्वीकार करना व एक- दूसरे के साथ मिलकर उन कमियों की प्रतिपूर्ति करते हुए लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में कार्य करना।एक बेहद ही खूबसूरत बात कहीं गयी कि जब हम स्वयं के अवगुणों के साथ जी सकते हैं तो हमें दूसरों के अवगुणों को भी स्वीकार कर उनके साथ जीना सीखना चाहिए।

### छठवा दिन

विशेष अतिथि सुश्री कविता आनंद ( Executive Director, AQES) ने Leading Your School's Virtual Learning के अंतर्गत उन्होंने बताया कि हमें एक व्यवस्थित ढंग से तैयारी की आवश्यकता हैं, जिसमें हम बच्चे की परिस्थिति, उनके अभिभावकों की परिस्थिति साथ ही अपने कौशल की स्थिति के अनुरूप रूपरेखा बनाकर सुनियोजित तरीके से ऑनलाइन शिक्षण कार्य करने होंगे। प्रायः यह गतिविधि हमें विद्यालय खुलने के पश्च्यात भी अभ्यास करते रहना होगा।

ऑनलाइन स्कूल लीडरशीप कार्यक्रम का शुभारंभ

शिक्षक तकनीक का प्रयोग कर सुनिश्चित पूर्ण शिक्षण करें – महानिदेशक

### सातवां दिन

मुख्य वक्ता के रूप में डॉ जयंती श्रीवास्तव (Asst. Professor, Amity University, Lucknow) से जुड़ी उन्होंने How To Lead Innovations In School विषय पर अपने अनुभवों को साझा करते हुए चर्चा की। उन्होंने बताया कि हर विद्यार्थी अपने आप मे संपूर्ण होता है' । हमें नवाचारों की मदद से उसके गुणों, कौशलों को निखारते हुए समाज के लिए इस प्रकार तैयार करना हैं कि वह समाज को एक बेहतर दिशा में ले जा सकें।

### आठवां दिन

मुख्य वक्ता डॉ सुदेशना लाहिरी एसोसिएट प्रोफेसर कलकत्ता विश्वविद्यालय ने लीडिंग पार्टनरशिप पर अपने विचार रखे। उन्होंने बताया कि विद्यालय में शिक्षक एक नेतृत्वकर्ता के रूप में इसलिए होता है क्योंकि उसके हाथ में पाठ्यक्रम ,पढ़ाई के घंटे और पढ़ाने के तरीके होते हैं।स्कूल में एक शिक्षक तभी लीडर बनता है जब उसे विद्यालय में लोगों से विश्वास का वातावरण मिलता है।शिक्षक ऐसा हो जिस की बातों को लोग आंख बंद करके न माने बल्कि वह लोगों का मार्गदर्शक हो।साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि एक नेतृत्वकर्ता के रूप में शिक्षक को अपने विद्यालय के प्रधानाध्यापक का सहयोग करना चाहिए साथ ही एसएमसी के दायित्वों में भी सहयोग करना चाहिए और एसएमसी के सामने अपने विद्यालय की समस्याओं को भी रखना चाहिए।एक शिक्षक को नेतृत्व कर्ता के रूप में समाज में जागरूकता लाने का प्रयास करना चाहिए।

इससे पूर्व कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि बेसिक शिक्षा विभाग के सहायक शिक्षा निदेशक श्री मुबीन अहमद ने सामुदायिक सहभागिता से विद्यालय विकास पर प्रकाश डाला।उन्होंने कहा कि किसी विद्यालय को देखकर वहां के समुदाय की स्थिति का पता लगाया जा सकता है। किसी विद्यालय के शिक्षक, छात्र, उनके अभिभावक, रसोईयां, एसएमसी के सदस्य, स्थानीय समुदाय और वहां के जनप्रतिनिधि हितधारक होते हैं।हमारी परिकल्पना होनी चाहिए कि किस प्रकार हमें इन हितधारकों को हितसाधकों में बदलना है। यह लोग विद्यालय से हित प्राप्त करते हैं ,लेकिन हमारा यह प्रयास होना चाहिए कि विद्यालय का इनके द्वारा कुछ हित हो।इसके लिए हमें अपना शिक्षक धर्म निभाते हुए हमें इन हितधारकों के मन में ऐसी भावना लानी चाहिए कि यह विद्यालय उन्हीं का है । जब उनमें इस भावना का जन्म हो जाएगा और वह समझेंगे कि यह विद्यालय उन्हीं का है तब वह अवश्य ही विद्यालय के हित उपयोगी कार्य करेंगे।एक शिक्षक की कुछ

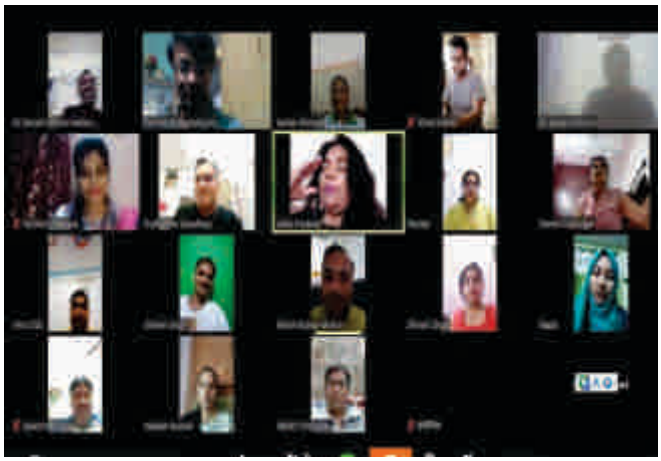

प्रतिबद्धताएं होती हैं जिसे वह पूरा करेगा तो अवश्य ही उसे समुदाय का सहयोग प्राप्त होता है।जब हमें विद्यालय के हितधारकों का सहयोग प्राप्त हो तो उन्हें उनके अच्छे कार्यों के लिए सम्मानित भी किया जाना चाहिए।

**नौवां दिन**

डॉ धीर जिंगरन, प्रो विनीता कौल व प्रदेश के बेसिक शिक्षा निदेशक डॉ सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह ने प्रदेश के 250 नवाचारी शिक्षको को विद्यालयी नेतृत्व के गुर सिखाए तथा शिक्षको के सवालो के जबाब दिए। एसआईईटी निदेशक सुश्री ललिता प्रदीप व सर्वेष्ट मिश्र ने कार्यक्रम के प्रारंभ में सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में प्रो विनिता कौल Emerita (education) Ambedkar Univ. Delhi) ने कहा कि बच्चें स्कूल आ रहे लेकिन सीख नहीं पा रहे, यह एक बड़ा लर्निंग क्राइसिस हैं। टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल भी तभी हो पायेगा जब बेसिक क्षमतायें होंगी। पूर्व प्राथमिक शिक्षा के आधार पर ही प्राथमिक व प्राथमिक के आधार पर उच्च शिक्षा का पाठ्यक्रम होना चाहिए। ऐसा इसलिए कि यदि किसी विद्यार्थी का कोई विषय पिछली कक्षा का छूट जाए तो वह उसे अगली में पूरा कर सके। बच्चों को 'Learners For Life' बनाएं। ऐसा पठन हो कि बच्चों में अभिरुचि विकसित हो और वह स्वयं कार्य करने के लिए उत्सुक हो, प्रेरित हो। भाषा को विकसित करने हेतु उन्हें ज़्यादा से ज़्यादा कविता एवं कहानियों के माध्यम से जोड़ने का प्रयास करें जिससे वह भाषा को अर्थपूर्ण तरीके से समझ पाएंगे। विशिष्ट अतिथि डॉ धीर जिगरन (Founder & Managing Trustee of Language & Learning Foundation) ने कहा कि सीखने- सिखाने की प्रक्रिया में आधारभूत बदलाव लाने की आवश्यकता हैं। स्कूल एक ऐसी संस्था हैं जहाँ हम सबको लेकर चलते है। बच्चों के परिवेश को देखते हुए सीखने- सिखाने के तरीकों को ढालना होगा। मौखिक भाषा पढ़ना-लिखना सीखने का आधार हैं। भाषायी समझ उनके साथ ज़्यादा से ज़्यादा चर्चा करने, उच्च स्तरीय के प्रश्नों पर चर्चा करने, अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान करने व उनकी राय को साझा करने के अवसर से विकसित की जा सकती है। हमेशा शुरूआत बच्चे की भाषा को आधार बनाकर करें। तत्पश्चात मिश्रित भाषा भी प्रयोग की जा सकती हैं और अंत में उन्हें मानक भाषा से जोड़े। उन्होंने कहा कि शिक्षक प्रार्थना सभा में बच्चों को ज़्यादा से ज़्यादा किसी भी विषय पर सोचकर बोलने या अपने अनुभवों को साझा करने के अवसर दे। कक्षा- कक्ष में भी बच्चे द्वारा किये गए कार्यों की सराहना करें। रीडिंग मेले का आयोजन करें। वास्तव में उन्होंने कहा कि सीखने का मतलब सक्रिय जुड़ाव पैदा करना है। कहा कि जब बच्चे भाषा सीखते हैं तो वह बहुत सारे विकल्पों में से सिर्फ एक चीज़ नहीं सीख रहे होते हैं, बल्कि वे सीखने की आधारशिला सीख रहे होते हैं।

**दसवां दिन**

महानिदेशक स्कूल शिक्षा श्री विजय किरण आनंद ने कहा कि वर्तमान में शिक्षक टेक्नोसेवी बने हैं और शिक्षण प्रशिक्षण प्रक्रिया में तकनीक का प्रयोग कर बच्चों व स्वयं को गुणवत्ता शिक्षा देने व लेने का प्रयास कर रहे है। उन्होंने कहा कि देश के असली निर्माता शिक्षक हैं। शिक्षा में सर्वाधिक निवेश करके ही किसी समाज का विकास होता है। उन्होंने एसआईईटी उत्तर प्रदेश व टीम एडुलीडर्स द्वारा लाकडाउन के दौरान किए गए ऑनलाइन शिक्षण व प्रशिक्षण के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जिस तरह से इन शिक्षकों ने चुनौती को और अवसर में बदला है वह प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने स्कूलों की आधारभूत संरचना, स्मार्ट क्लासरूम, रिमेडियल टीचिंग, ऑनलाइन, शिक्षकों की तैनाती, दीक्षा एप के प्रयोग तथा गैर शैक्षणिक कार्यों से शिक्षकों को मुक्ति देते हुए नए सत्र से स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर पूरी तरह बल दिया है और रियल टाइम मानिटरिंग व्यवस्था लागू की है। जिससे मार्च 2022 तक प्रदेश प्रेरक प्रदेश बन सके।

उन्होंने शिक्षकों का आह्वान किया कि वह समाज के कमजोर व सर्व समाज के बच्चों हेतु गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सर्वसुलभ बनाएं। एसआईईटी की निदेशक सुश्री ललिता प्रदीप ने कहा कि अब समय आ गया है कि शिक्षक स्व प्रेरणा से अपने स्कूलों और अपने पूरे समुदाय का नेतृत्व करें। उन्होंने वर्तमान समय में शिक्षकों के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्रत्येक जनपद में एसआईईटी एवं एडूलीडर्स टीम द्वारा इस तरह के ऑनलाइन कार्यक्रमों के आयोजन के लिए सभी जनपदों के बीएसए व डायट प्राचार्य को पत्र निर्गत किए जा रहे हैं और शीघ्र ही सभी जनपदों में इस तरह ऑनलाइन वेबीनार कार्यक्रमों के माध्यम से स्वप्रेरित शिक्षक एसेसमेंट,लीडरशिप, आईसीटी जैसे शिक्षक प्रशिक्षणों से जुड़ सकेंगे। कार्यक्रम के अंतिम दिवस मे संयोजक डॉ सर्वेष्ट मिश्र ने सभी शिक्षको का आभार व्यक्त किया। ■

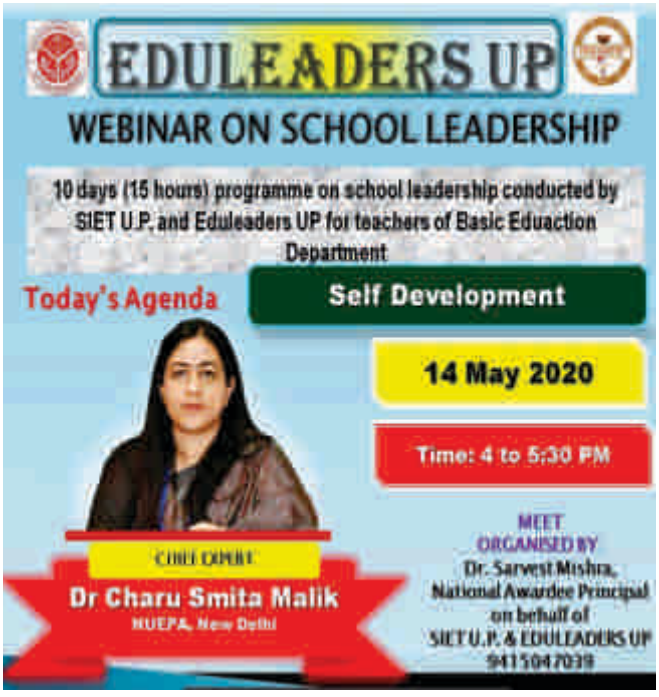

## प्रदेश के शिक्षकों के लिए प्रत्येक जनपद में

# आई.सी.टी. वेबिनार

शिप्रा सिंह, जौनपुर

शिक्षा क्षेत्र में संत रहा है सकारात्मक बदलाव की हवा
सरकारी स्कूलों के प्रति बदलनी होगी सोच- आलोक

### पहला दिन

प्रथम दिवस कार्यक्रम का संचालन कर रहे डॉ० सर्वेष्ट मिश्रा जी ने कहा कि एडूलीडर्स यूपी द्वारा गतिमान वेबिनार जिसमें वर्तमान में उत्तर प्रदेश के 75 जनपद से 300 शिक्षक जुड़े हुए हैं। इससे पूर्व 23 दिवसीय लर्निंग असेसमेंट

,उसके बाद 10 दिवसीय स्कूल लीडरशिप का वेबिनार प्रशिक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न हो चुका है और वर्तमान में प्रदेश के सभी 75 जनपदों में हजारों स्वयंसेवी शिक्षको के बीच संचालित हो रहा है। अब यह ICT की 10 दिवसीय 15 घंटे की वेबिनार देश व प्रदेश के नेशनल आईसीटी अवार्डी टीचर्स के निर्देशन में संचालित किया है। उन्होंने बताया कि वेबिनार में शामिल सभी शिक्षक स्वप्रेरित है और वेबिनार प्रदेश के बेसिक शिक्षा में सकारात्मक परिवर्तन के वाहक के रूप में अपना योगदान देकर बेसिक शिक्षा महानिदेशक श्री विजय किरण आनंद जी और डॉ सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह जी के प्रदेश को प्रेरक प्रदेश बनाने के अभियान में अपना सार्थक योगदान देगा।

मुख्य वक्ता CIET NCERT के संयुक्त निदेशक डॉ० अमरेंद्र पी बेहरा जी दने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी पर आधारित इस वेबिनार में भाग लेना उनके लिए सौभाग्य की बात है ।उन्होंने बताया कि एनसीईआरटी भी राष्ट्रीय स्तर पर काम कर रही है इसी के संबंध है ,और साथ ही साथ राज्य शैक्षिक और प्रौद्योगिकी संस्थान भी इसी समय इसी संदर्भ में काम कर रही है। उन्होंने बताया कि एनसीईआरटी की 329 किताबें दीक्षा पोर्टल पर अपलोड है, शिक्षक तकनीकी का प्रयोग करके इनको बच्चों तक पहुंचा सकते हैं और उन्होंने कहा कि जब हम करना शुरू करते हैं तो कौशल आ ही जाता है ,बस हमारा इनीशिएट अच्छा होना चाहिए। पठन-पाठन में सूचना प्रौद्योगिकी का बहुत महत्व है उन्होंने बताया कि टेक्निक सीखने सिखाने में काफी हेल्प करती है। उन्होंने जियोजेब्रा, एनआरओईआर, दीक्षा व विभिन्न एजुकेशनल

चैनलों व एप्स के उदाहरण के बताया कि शिक्षक किस तरह शिक्षा में आईसीटी के प्रयोग से आसान बना सकते हैं। अपने सत्र के दौरान उन्होंने शिक्षको को उड़िया व दूसरी भाषाओं के शब्दों का भी ज्ञान कराया। उन्होंने कहा कि हमें केवल ग्राहक ही नहीं बनना बल्कि साथ ही साथ उत्पादक भी बनना है ।तकनीकी का प्रयोग करके हर बच्चा एक्सपेक्टेड लर्निंग आउटकम को सीख सकता है। उन्होंने शिक्षको से वर्तमान में राष्ट्रीय शिक्षक आईसीटी अवार्ड हेतु आवेदन के तरीके बताते हुए शिक्षको का आह्वान किया कि वह बड़ी संख्या में आवेदन करें।आज के सत्र में श्री आशुतोष आनंद अवस्थी जी द्वारा गूगल ड्राइव और गूगल फॉर्म बनाने के विषय में जानकारी दी।

### दूसरा दिन

दूसरे दिवस एक्सपर्ट श्री आशुतोष आनंद अवस्थी व श्री प्राणेश भूषण मिश्र जी द्वारा ई बुक डेवलपमेंट टर्मिनोलॉजी को बताया गया और पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन देकर स्पष्ट किया गया। उन्होंने बताया कि ई बुक डेवलपमेंट के लिए Sigil सॉफ्टवेयर इंस्टॉल करना होगा ,जिस के द्वारा ई बुक कंटेंट हम आसानी से बना सकते हैं।

### तीसरा दिन

तीसरे दिवस सत्र के द्वितीय चरण की शुरुआत में श्री आशुतोष श्रीवास्तव ने रवि प्रताप सिंह (राष्ट्रीय ICT पुरस्कार प्राप्त शिक्षक ) को संचालन के लिए आमंत्रित किया। श्री रवि प्रताप सिंह ने ICT के प्रयोग के संबंध में पॉवरपॉइंट के माध्यम से जानकारी साझा की। जो बिंदुवार निम्नवत है ICT में इन्फॉर्मेशन और कम्युनिकेशन technology से अधिक महत्वपूर्ण है। इम्प्रूवमेंट ऑफ ICT इन स्कूल को प्रदर्शित किया जिसमें उन्होंने बताया कि किस प्रकार उन्होंने वर्ष दर वर्ष अपने विद्यालय में किस प्रकार ICT का प्रयोग बढ़ाया। USEFUL एंड्रायड एप्पलीकेशन और वेबसाइट के ऊपर विस्तार से चर्चा किया गया। जिनमे SETERRA, Animal 4D, Transport 4D एवं अन्य कई सॉफ्टवेयर एवं वेबसाइट के बारे में जानकारी दी गयी। USEFUL VIDEOS

from Youtube के बारे में चर्चा की गयी। USE of Interactieve Board के बारे में चर्चा की गयी। IMPACT & ADVANTAGE ऑफ ICT के ऊपर विस्तार से चर्चा की गयी। CYBER सिक्योरिटी, COPY RIGHT और लाइसेंस जैसे आवश्यक बिंदुओ पर भी प्रकाश डाला गया। रवि प्रताप सिंह ने शिक्षको के प्रश्नों का जबाब देते हुए इस बात को दोहराया कि यूजर बनने से अच्छा है कि क्रिएटर बने।

### चौथा दिन

चौथे दिवस के दूसरे सत्र का संचालन गत वर्ष की नेशनल आईसीटी अवार्ड विजेता प्रतिमा सिंह, एसआरजी बलरामपुर द्वारा संचालित किया गया। उन्होंने बताया कि हमारे पास OER के रूप में ई पाठशाला है। उन्होंने कार्यशाला में दो एजुकेशनल टूल्स पर बात की जिससे कंटेंट को स्वयं डिवेलप किया जा सकता है। उन्होंने बताया 2010 से 2017 का समय आईसीटी लिटरेसी का समय था और आज का समय ICT competency का है। जिसे हमें इसे शिक्षण में समाहित करना है। अभी टीचिंग में टेक्नोलॉजी का प्रयोग मात्र 30 परसेंट ही हो रहा है। हम जो पढ़ते हैं उसका 10% जो सुनते हैं उसका 20% जो देखते हैं उसका 30% जो सुनते देखते दोनों हैं उसका 50% जो कहते हैं उसका 70% लेकिन यदि उसी काम को हम करते भी हैं तो हम उसका 90% रिटेन कर लेते हैं। आईसीटी के माध्यम से हमें ऐसा ही करना है कि बच्चा कुछ करके दिखाएं जिससे उसका 90% तक रिटेंशन हो। लेकिन अभी हम इवोल्यूशन रिओरियंटेशन, इंटीग्रेशन पर ज्यादा जोर दे रहे हैं और यूटिलाइजेशन और फैमिलियराइजेशन पर कम ध्यान दे रहे हैं हमें यहां संतुलन स्थापित करना है। हम बच्चों को अवसर दें कि बच्चे अकेले या समूह में कुछ क्रिएट कर सकें। उन्होंने COMICA , PHET का प्रयोग करना सिखाया। उन्होंने बताया कि COMICA डिजिटल टेक्नोलॉजी है जिसमें हम कॉमिक्स बनाते हैं।इससे हम बच्चों की लर्निंग को बढ़ा सकते हैं हम किसी भी भाषा में इसका प्रयोग कर सकते हैं। गूगल क्रोम पर जाकर PHET से सीख सकते हैं।

### पांचवा दिन

5वें दिन प्रथम सत्र में राजस्थान के नेशनल अवॉर्डी शिक्षक श्री इमरान खान के द्वारा मोबाइल ऐप का शिक्षा में प्रयोग किस प्रकार किया जा सकता है के विषय में बहुमूल्य जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि हमने अलवर जिले के 50 श्रेष्ठ स्कूलों के लिए वेबसाइट बनाई है तथा 55 से अधिक फ्री मोबाइल एप बनाए हैं जो प्ले स्टोर पर Imran apps के नाम से उपलब्ध हैं। प्राइमरी के बच्चों के लिए ऐप picture book बनाया है साथ ही कुछ ऐप सेकेंडरी क्लासेज के और कुछ ऐप कॉम्पिटेटिव एग्जाम्स के लिए हैं। पहला निर्मित ऐप 'विज्ञान' नाम से है। उन्होंने बताया कि परंपरागत रूप से जहां विद्यालयों में एक शिक्षक लगभग 50 से ढाई सौ तक बच्चों को शिक्षित कर सकता है लेकिन आईसीटी के माध्यम से हम पूरे विश्व में 21 मिलीयन यूजर्स से जुड़े हुए हैं। Project Dishari App हमने Government of Rajasthan के लिए विकसित किया है जिसके द्वारा घर बैठे ही इस ऐप का प्रयोग करके ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। Digital Mental App, Alwar Shakti App हमारे कुछ ऐसे ऐप हैं जिनके द्वारा हमने लॉकडाउन के समय में कोरोना वॉरियर्स तैयार किए हैं।

### छठा दिन

श्री गुरुमूर्ति काशी नाथन जी ने स्वतंत्र सॉफ्टवेयर के विषय में जानकारी दी जिसे हम आजाद या Free software भी कहते हैं। यह स्वतंत्र सॉफ्टवेयर हम

'शिक्षा व्यवस्था में हो रहा सकारात्मक बदलाव'

'शिक्षा में आईसीटी प्रयोग' विषय पर वेबीनार

स्वयं प्रयोग कर सकते हैं तथा दूसरों के साथ शेयर भी कर सकते हैं, जबकि साधारण सॉफ्टवेयर licensed होते हैं। एनसीईआरटी की पॉलिसी में भी कहा गया है कि स्वतंत्र सॉफ्टवेयर का प्रयोग किया जाए। उन्होंने FOSS(Free and open source software)tools जैसे Libre Office, Firefox browser ,Duck duckgo search engine, PDF viewer के विषय में जानकारी दी। उन्होंने शिक्षकों को एजुकेशनल एप्स जैसे Geogebra, Phet, Stellarium, Tux Math, Kalzium के शिक्षण में प्रयोग को विस्तार से समझाया साथ ही Linex द्वारा Marble के प्रयोग से भूगोल शिक्षण किस प्रकार किया जा सकता है ,के विषय में चर्चा की।

### सातवां दिन

मुख्य वक्ता श्री हरि कृष्ण आर्य जी ने Skype in the classroom के विषय में बहुमूल्य जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि यह एक फ्री और वर्ल्ड वाइड कम्युनिटी है जिससे सभी देशों के ऐसे शिक्षक जुड़े हुए हैं जिन्हें आईसीटी से लगाव है इसके लिए हमें Skype, Microsoft Team, Microsoft account, mic, speaker/headphone, projector/ LED आदि की आवश्यकता होती हैं। निश्चित ही इसके बहुत सकारात्मक परिणाम है। उन्होंने Skype in the classroom के Virtual field trips के विषय में विस्तार से

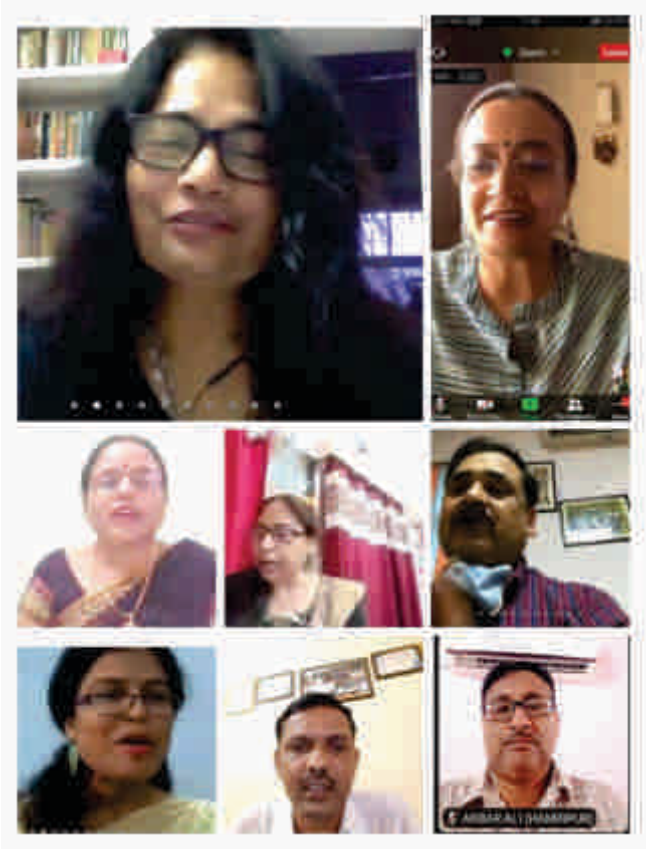

जानकारी दी।जिसके द्वारा उन्होंने बताया कि हम किस प्रकार अपनी कक्षाओं को दूसरे देशों की कक्षाओं से जोड़ सकते हैं और एक कोलैबोरेटिव प्रोजेक्ट भी बना सकते हैं ।उन्होंने कहा कि शिक्षक बहुत प्रतिभाशाली होते हैं, आवश्यकता यह है कि वह वेबसाइट पर जाएं और अपने आप को ग्लोबल टीचर के रूप में प्रदर्शित करें।

### आठवां दिन

आठवें दिन कार्यक्रम की शुरुआत संयोजक डॉ सर्वेष्ट मिश्र के स्वागत संबोधन के साथ । आज के मुख्य अतिथि वरिष्ठ शिक्षा अधिकारी श्री कौस्तुभ कुमार सिंह जी ने अपने प्रेरक उद्बोधन से शिक्षकों का मार्गदर्शन किया तथा एजुलीडर्स यूपी की पूरी टीम की सराहना करते हुए कहा कि आप सभी स्व प्रेरित शिक्षक हैं जो पूरे विभाग के लिए आशा की किरण बन रहे हैं। आप समाज में फैले भ्रम को दूर करते हुए संदेश दे रहे हैं। कि विषम परिस्थितियों में भी शिक्षक इतना अच्छा कार्य कर सकते हैंस आप मार्ग में जो भी कठिनाइयां आएं उन्हें पार करते हुए अपने लक्ष्य तक पहुंचे और हमारा लक्ष्य अथवा साध्य विद्यार्थी हैं, शिक्षक और विभाग एक साधन हैं, जिसमें शिक्षक ही सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। क्योंकि जो कमियां बच्चों में भगवान भी दूर नहीं कर पाए वह शिक्षक दूर करते हैं और इसीलिए शिक्षक को भगवान से ऊपर का स्थान दिया गया है। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में अल्पा निगम जी ने Mentimeter & Digital story telling के विषय में उपयोगी जानकारी दी। वक्ता श्री आशुतोष श्रीवास्तव, डायट प्रवक्ता , आजमगढ़ ने साइबर सिक्योरिटी के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए ई कंटेंट बनाने समय किन किन बातों का ध्यान रखना चाहिए विषय पर प्रकाश डाला एवं क्रिएटिव कॉमन, कंटेंट कॉपीराइट के बारे में बताया ।

### नौवां दिन

राज्य शैक्षिक तकनीकी संस्थान उत्तर प्रदेश व एजुलीडर्स यूपी द्वारा आयोजित आईसीटी वेबीनार के नवें दिन कार्यक्रम की संयोजक डॉ सर्वेष्ट मिश्र के स्वागत संबोधन के साथ हुई। शुरुआत राज्य शैक्षिक तकनीकी संस्थान उत्तर प्रदेश की निदेशक ललिता प्रदीप जी के मार्गदर्शन में कार्यक्रम के प्रथम सत्र में Key note speaker Dr Meena Mishra जी ने The Importance of Knowing Yourself तथा 4D Brain analysis तकनीक के विषय में उपयोगी जानकारी दी। उन्होंने Brain mapping, DNA mapping, Psychological mapping, Biological mapping तथा Brain card की उपयोगिता से अवगत कराया। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में Expert के रूप में Dr. Pranesh Bhushan Mishra जी ने Geogebra के अंतर्गत Angle tool, slider tool, Polygon tool, Intersect tool, Parallel line tool के प्रयोग के विषय में जानकारी दी। उन्होंने Kahoot ij Quiz बनाना भी सिखाया तथा कार्यक्रम के तीसरे सत्र में Robocompass ds command editor तथा Supported commands के विषय में बहुमूल्य जानकारी प्रदान की।

### दसवां दिन

10 वें दिन समापन समारोह कार्यक्रम की शुरुआत संयोजक डॉ सर्वेष्ट मिश्र के स्वागत संबोधन व कार्यक्रम के परिचय देने के साथ हुई।

SIET निदेशक सुश्री ललिता प्रदीप ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया तथा कार्यक्रम की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि हमने लॉकडाउन के समय में राज्य स्तर पर यह तीसरी वेबीनार आयोजित की गयी, जो कि आईसीटी पर आधारित थी। इसमें शिक्षकों को शिक्षण में आईसीटी के प्रयोग को समझाने का प्रयास किया गया जिसमें प्रदेश के सभी 75 जनपदों के एडुलीडर्स टीम के लगभग 300 स्वप्रेरित शिक्षकों ने शामिल होकर व्यावसायिक दक्षता का विकास किया। वर्तमान में इस श्रृंखला के अंतर्गत प्रदेश के सभी जनपदो में बड़ी संख्या में प्रतिदिन इस तरह के वेबिनार के माध्यम से हजारों शिक्षक सीखने सिखाने का कार्य कर रहे हैं। निश्चित ही इसके बहुत सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री आलोक कुमार, आईएएस, सलाहकार नीति आयोग, भारत सरकार ने कहा कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव की हवा चल रही है। मिशन प्रेरणा जैसे क्रन्तिकारी कदम उठाए गए हैं जिससे निश्चित ही मार्च 2022 तक एक नया स्वरूप दिखेगा। उन्होंने शिक्षको के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि शिक्षक अच्छे कार्यों को करने के साथ ही उनका प्रदर्शन भी करें। इससे समाज मे सरकारी स्कूलों के प्रति नकारात्मकता खत्म होगी। उन्होंने एडूलीडर्स टीम की प्रसंशा करते हुए कहा कि यह बहुत सुखद स्थिति है जब खुद शिक्षक स्वप्रेरित होकर इस तरह आगे आए हैं। ऐसा पहली बार देखा है जब शिक्षक ऑनलाइन संगठित होकर ऐसा नवाचारी प्रयास कर रहे हैं। शिक्षकों के इस प्रयास से निश्चित ही लोगों की सरकारी विद्यालयों के प्रति सोच बदलेगी। उन्होंने एडूलीडर्स से अच्छे शिक्षको की कहानियां नीति आयोग से भी साझा करने को कहा जिसे वह अपने प्लेटफार्म से प्रसारित करेंगे। उन्होंने कहा कि जिस तरह शिक्षक आगे बढ़कर बेहतरीन कार्य कर रहे हैं निश्चित ही प्रदेश प्रेरक प्रदेशबनेगा और उत्तर प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था पूरे देश में रोल मॉडल के रूप में उभरेगी। ■

# एडूलीडर्स यूपी की दूसरी राज्य स्तरीय वेबीनार श्रृंखला

**मनीष वर्मा, गोण्डा**

एडूलीडर्स यूपी द्वारा परिषदीय स्कूलों में शिक्षा गुणात्मक उन्नयन हेतु राज्य शैक्षिक एवं तकनीकी संस्थान के सहयोग व निदेशक सुश्री ललिता प्रदीप जी के निर्देशन में 15 दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबीनार का नेतृत्व राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित एवं एडुलीडर्स यूपी टीम के संस्थापक डॉ0 सर्वेष्ट मिश्र ने किया। एडूलीडर्स यूपी के दूसरे राज्य स्तरीय वेबीनार श्रंखला में 20000 से अधिक शिक्षक प्रशिक्षित हुए। इसका आयोजन दिनांक 12 से 26 सितम्बर तक गूगल मीट व युट्यूब-फेसबुक लाइव के माध्यम से किया गया। जिसमे वरिष्ठ शिक्षा विशेषज्ञों ने लर्निंग असेसमेंट, स्कूल लीडरशिप व आईसीटी विषय पर रखे अपने विचार रखे। कार्यक्रम में प्री टेस्ट व पोस्ट टेस्ट के आधार पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए।

वेबीनार का आयोजन 5 -5 दिवसीय तीन चरणों में किया गया जिसमें सीखने में आकलन, स्कूल लीडरशिप तथा शिक्षा में आईसीटी के प्रयोग से शिक्षा स्तर में सुधार के बारे में जानकारी दी गई । कार्यक्रम के पहले भाग में आस्ट्रेलियन काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च की विशेषज्ञ डॉ अनुराधा शर्मा, एससीईआरटी प्रवक्ता डॉ प्रदीप जायसवाल, डायट प्रवक्ता डॉ आशुतोष श्रीवास्तव, नेशनल अवार्डी डॉ सर्वेष्ट मिश्र, श्री सत्यजीत द्विवेदी, डॉ अंबिकेश त्रिपाठी, , श्रीमती श्वेता सोमवंशी, श्रीमती रश्मि त्रिपाठी, श्रीमती पम्मी मलिक ने सीखने में आकलन के विभिन्न तरीके और उनका अनुप्रयोग की जानकारी दी।

वेबीनार श्रृंखला के दूसरे भाग स्कूल लीडरशिप में न्यूपा की विशेषज्ञ डॉ चारु मलिक, शिक्षाविद श्री उमेश शुक्ल, प्राचार्य डायट वाराणसी, श्रीमती नीलम पंकज, श्रीमती श्वेता सोमवंशी, डॉ अंबिकेश त्रिपाठी, प्रवक्ता डायट डॉ योगीराज मिश्रा तथा डॉ आशुतोष श्रीवास्तव ने विद्यालय में स्कूल लीडरशिप के अंतर्गत सभी साथियों के साथ मिलजुल कर योजनाओं के निर्माण व विधिपूर्ण क्रियान्वयन की बात कही। वक्ताओं ने योजनाओं को सफल बनाने के विभिन्न चरण एवं कुशल नेता के गुणों के बारे में चर्चा की।

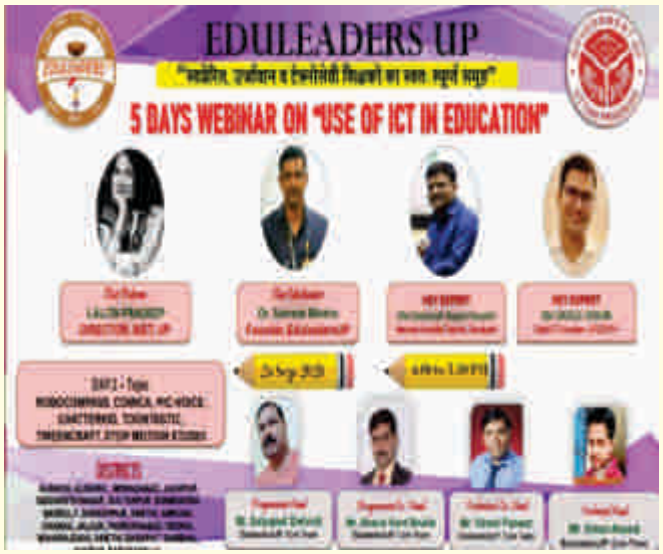


कार्यक्रम के अंतिम भाग "शिक्षा में आईसीटी का प्रयोग" विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसमें अपर शिक्षा निदेशक सुश्री ललिता प्रदीप व दिल्ली के प्रसिद्ध शिक्षाविद व डॉ अशोक पाण्डेय ने अपने अमूल्य विचार प्रस्तुत किए। वेबिनार में विषय विशेषज्ञ डॉ आशुतोष श्रीवास्तव, श्री आशुतोष आनंद अवस्थी, श्री सदक ए हुसैन, श्री विनीत पंवार, श्रीमती ममता शर्मा, श्री वैभव कांत श्रीवास्तव और श्री अनुपम चौधरी ने वर्तमान में प्रचलित ऑनलाइन टीचिंग से संबंधित शिक्षा में आईसीटी के प्रयोग के बारे में विस्तार से अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कम्प्यूटर व मोबाइल के विविध सॉफ्टवेयर, ओईआर, व विभिन्न मोबाइल एप्स को डाउनलोड करना व उसके उपयोग से परिचित कराया। विशेषज्ञो ने बताया कि किस तरह इनके प्रयोग से हम शिक्षण को सरल, सुगम व रोचक बनाकर बच्चों में सीखने की गुणवत्ता को बेहतर कर सकते हैं। इस वेबिनार श्रृंखला आयोजन की टेक्निकल टीम में मुख्य रूप से श्री विनीत पवार, श्री सत्यजीत द्विवेदी, श्री शशिकांत शुक्ला, श्री विमल आनंद का योगदान रहा। ■

# हर विद्यालय में विवेकानन्द तैयार करें शिक्षक : ललिता प्रदीप

## अपर शिक्षा निदेशक ने लांच किया एडूलीडर्स यूपी की वेबसाइट एवं कैलेंडर

### स्वामी विवेकानंद जयंती पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम

सदक-ए-हुसैन, अयोध्या

उत्तर प्रदेश के स्वप्रेरित ऊर्जावान, टेक्नोसेवी शिक्षकों के स्वतः स्फूर्त समूह एडूलीडर्स यूपी द्वारा स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर ऑनलाइन पोस्टर, निबंध, क्विज व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रदेश के सभी 75 जनपदों से सैकड़ों की संख्या में शिक्षक व छात्रों ने प्रतिभाग किया। लगभग डेढ़ सौ शिक्षकों और छात्रों ने स्वामी विवेकानंद जी के जीवन पर आधारित अपने पोस्टर, निबंध व भाषण कला का ऑनलाइन प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का सजीव प्रसारण यूट्यूब व विभिन्न सोशल मीडिया चैनलों पर किया गया। मुख्य अतिथि बेसिक शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश की अपर शिक्षा निदेशक सुश्री ललिता प्रदीप ने कहा कि विवेकानंद जी ने भारतीय संस्कृति और परंपरा के ध्वजवाहक के रूप में भारतवर्ष की ज्ञान व दर्शन परंपरा को दुनिया के समक्ष पहुचाया। उन्होंने इस कार्यक्रम आयोजन हेतु एडूलीडर्स यूपी की प्रशंसा करते हुए विवेकानंद से जुड़े विविध प्रसंगों को सुनाया। उन्होंने शिक्षकों का आह्वान किया कि वह अपने विद्यालयों मे विवेकानंद तैयार करें। बच्चों में विवेकानंद जी के गुण और भाव विकसित करने का प्रयास करें। जो समाज के समग्र विकास और भारतीय संस्कृति को अंतर्राष्ट्रीय फलक पर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सके। उन्होंने एडूलीडर्स यूपी की वेबसाइट www.eduleadersup.in व नववर्ष के कैलेंडर का भी लोकार्पण किया। कार्यक्रम संयोजक और एडूलीडर्स यूपी के संस्थापक डॉ. सर्वेष्ट मिश्र ने कहा कि विवेकानंद ने जिस तरह से अपने ओजस्वी व्यक्तित्व से वसुधैव कुटुम्बकम की भावना लेकर भारतीय संस्कृति व दर्शन को दुनिया भर में स्थापित किया निश्चित तौर पर वह काफी प्रशंसनीय है। हम सभी उनके आदर्शों को मानकर समाज को सही दिशा दिशा दिखा सकते हैं। ■






# हर स्कूल में स्वामी विवेकानंद तैयार करें शिक्षक-ललिता प्रदीप

- विवेकानंद जयन्ती पर एडूलीडर्स ने आयोजित की राज्य स्तरीय भाषण, निबंध, क्विज व चित्रकला प्रतियोगिता
- प्रतियोगिता प्रदेश के 75 जनपदों से 10,000 से ज्यादा छात्रों और शिक्षकों ने किया प्रतिभाग
- एडूलीडर्स यूपी ने सभी को प्रदान किया प्रमाण पत्र
- अपर निदेशक ने एडूलीडर्स यूपी की वेबसाइट व कैलेंडर को किया लॉन्च
- सभी को प्रदान किए गए प्रमाण पत्र
- कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रहीं बेसिक शिक्षा विभाग की अपर निदेशक ललिता प्रदीप

# शिक्षक खुशी के लिए काम करें तो बदल जाएगी स्कूलों की सूरत : बेसिक शिक्षा निदेशक

**'आओ स्कूल चले हम' कार्यक्रम में बेसिक शिक्षा निदेशक डॉ सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह ने प्रदेश के हजारों शिक्षकों को किया संबोधित**

## एडूलीडर्स यू.पी. स्कूल चलो अभियान 2022

शेखर यादव, कानपुर

एडूलीडर्स यूपी द्वारा नवीन शैक्षिक सत्र 2022-23 में स्कूल चलो अभियान 2022 के अन्तर्गत परिषदीय विद्यालयों में नवीन नामाकन, ठहराव व लर्निंग आउटकम में वृद्धि किये जाने के लिए एक राज्यस्तरीय ऑनलाइन कार्यक्रम 'आओ स्कूल चले हम' का आयोजन किया। कार्यक्रम को पूरे प्रदेश से 50 हजार से अधिक शिक्षको ने यूट्यूब के माध्यम से ऑनलाइन देखा। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा निदेशक डॉ सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह ने कहा कि बड़ी संख्या में शिक्षको ने अपनी मेहनत से नामांकन को बढ़ाया है। इस वर्ष भी वह स्कूलों में रिकार्ड नामांकन बढ़ाकर बच्चों को गुणवत्तापरक शिक्षा देंगे और राज्य को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी स्थान दिलाएंगे। उन्होंने एडूलीडर्स के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए पूरे कार्यक्रम का विश्लेषण किया और कहा कि आज बड़ी संख्या में शिक्षक अपने क्षेत्र में अनेक प्रकार के नवाचार का प्रयोग करते हुए प्राथमिक शिक्षा में नवीन आयाम स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें किसी की नकल नहीं करनी पर यह अवश्य सोचना चाहिए कि कोई शिक्षक अच्छा कार्य क्यों कर रहा है। जब

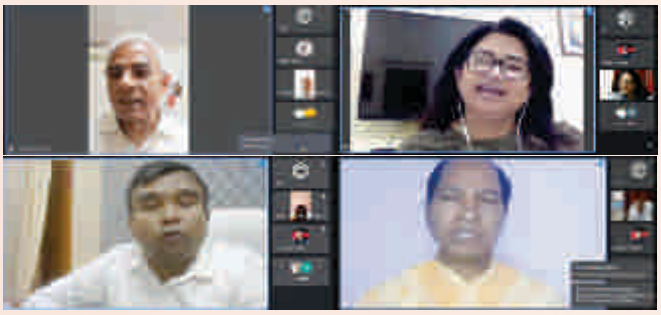

हम इसका उत्तर स्वयं प्राप्त कर लेंगे तो हम अच्छी तरह से कार्य करते हुए प्राथमिक शिक्षा में एक नवीन मानदण्ड स्थापित कर पाने में समर्थ होंगे । राज्य की साक्षरता निदेशक एवं अपर शिक्षा निदेशक (बेसिक) सुश्री ललिता प्रदीप ने कहा कि एक विद्यालय को केवल और केवल एक शिक्षक ही अच्छा बना सकता है, बाकी दूसरे संसाधन उतने महत्त्वपूर्ण नहीं है जितने कि शिक्षक की भूमिका है। यदि शिक्षक अपने विद्यालय को अच्छा बनाने की चाह ले तो कोई बाधा उसे रोक नहीं सकती। उन्होंने कहा कि निजी विद्यालयों व सरकारी स्कूलों को तुलना ठीक नहीं है। सहायक शिक्षा निदेशक अब्दुल मुबीन ने कहा कि वर्तमान में जब देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है तो शिक्षको को अपने स्कूलों में कम से कम 10 प्रतिशत नामांकन अवश्य बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य सिर्फ नामांकन बढ़ाना ही नहीं अपितु प्रत्येक बच्चे को विद्यालय में लाना एवं शैक्षिक सम्प्राप्ति दिलाना होना चाहिये। वरिष्ठ समाजसेविका सुश्री अपर्णा ने कहा शिक्षक के अच्छे कार्य केवल विद्यालय के प्रांगण तक ही सीमित नहीं होने चाहिए बल्कि इसकी जानकारी समाज को भी होनी चाहिये। कार्यक्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बस्ती श्री जगदीश शुक्ल ने सभी वरिष्ठ

अधिकारियों का स्वागत किया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जौनपुर श्री गोरखनाथ पटेल ने शिक्षकों को नामांकन बढ़ाने के गुर सिखाए। कार्यक्रम आयोजक जनपद बस्ती के राष्ट्रपति पदक प्राप्त शिक्षक तथा एडूलीडर्स के संस्थापक डॉ सर्वेष्ट मिश्र ने कहा कि किस तरह प्रदेश के विभिन्न जनपदों में हजारों ऐसे सरकारी विद्यालय है जहां पर उनके शिक्षकों के प्रयास से निजी स्कूलों में ताले लग गए हैं और उनकी छात्र संख्या 1000 से ज्यादा है। उन्होंने एडूलीडर्स यूपी के प्रयासों की जानकारी देते हुए कहा कि इससे जुड़े शिक्षक विभिन्न नवाचारों और गतिविधियों का प्रयोग करते हुए गुणवत्ता परक शिक्षा देने का काम कर रहे है और दूसरे शिक्षकों को बेहतर करने के लिए मार्गदर्शन कर रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन सदक ए हुसैन ने किया। कार्यक्रम में डायट आजमगढ़ से आशुतोष श्रीवास्तव, कानपुर के एसआरजी राजेश यादव, कानपुर के शिक्षक शेखर यादव, बस्ती के शिक्षक बृजेश गुप्ता जौनपुर की शिक्षिका शिप्रा सिंह सहित विभिन्न शिक्षकों ने अपना योगदान दिया। कार्यक्रम में अलग-अलग जनपदों से नामांकन वृद्धि व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने में रोल माडल बनकर उभरे शिक्षकों द्वारा अपने अनुभवों को साझा किया गया। जिसमें श्री धन्नू चौहान महाराजगंज, श्री धर्मेंद्र चौधरी गोरखपुर, श्री राजेश यादव आजमगढ़, श्रीमती नीलम गुप्ता गौतमबुद्ध नगर, श्री सुधीर राणा बिजनौर, श्री मनीष वर्मा गोंडा, श्रीमती शिल्पी शर्मा अलीगढ़, श्रीमती प्रतिज्ञा त्रिवेदी महोबा, श्रीमती गौरा शर्मा मुजफ्फरनगर, श्रीमती महिमा सक्सेना लखनऊ, श्री सुनील त्रिपाठी कुशीनगर, श्री अभय कुमार पाठक गोरखपुर, मोहम्मद फरहीम, प्रतापगढ़ तथा श्री राधेश्याम चौरसिया जौनपुर शामिल रहे। ■

# जीवन मे सफलता का मूल मंत्र है समय प्रबंधन: हरीश द्विवेदी

## पंडित दीनदयाल उपाध्याय पुस्तकालय में शिक्षक सम्मान समारोह में सांसद श्री हरीश द्विवेदी ने शिक्षकों को किया सम्मानित

### जनपद स्तरीय एडूलीडर्स सम्मान : जनपद बस्ती

**अनीता, बस्ती**

पं.दीनदयाल उपाध्याय पुस्तकालय गौरा बस्ती के सभागार में आयोजित "संवाद" तथा जनपद के 100 उत्कृष्ट शिक्षकों के एडूलीडर्स सम्मान कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री व बस्ती के सांसद श्री हरीश द्विवेदी जी ने व्यक्तित्व विकास के विविध पक्षों पर अपनी बात रखी। कार्यक्रम में 500 से अधिक छात्र छात्राएं व शिक्षक शामिल रहे। सांसद श्री हरीश द्विवेदी ने कहा कि किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास में समय प्रबंधन का बड़ा महत्व होता है। हर व्यक्ति को समय पालन करते हुए हर कार्य एक निश्चित अनुशासन में रहकर करना चाहिए। हर व्यक्ति को सौम्य व्यवहार रखने के साथ ही शरीर की भाव भंगिमाएं भी समयानुकुल रखना चाहिए। उन्होंने पण्डित दीन दयाल उपाध्याय जी के विचारों की रूपरेखा रखते हुए व्यक्ति के भीतर राष्ट्र प्रेम की भावना को सर्वोपरि बताया। सांसद श्री हरीश द्विवेदी ने बस्ती के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य हेतु पुतस्कालय की स्थापना के उद्देश्य, सुविधाओ व भावी योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन करते हुए राष्ट्रपति पदक प्राप्त शिक्षक डॉ सर्वेष्ट मिश्र ने पण्डित दीन दयाल उपाध्याय पुस्तकालय की महत्ता व उसकी भावी कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर सांसद हरीश द्विवेदी ने टीम एडूलीडर्स द्वारा चयनित जनपद के सभी 14 विकास खण्डों व नगर क्षेत्र में स्थित परिषदीय स्कूलों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे 100 शिक्षकों को एडूलीडर्स प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चो व शिक्षको ने सांसद श्री हरीश द्विवेदी जी से अपने सवाल पूछे और अपनी प्रतिक्रिया व सुझाव दिए। पुस्तकालय सचिव विवेकानंद मिश्र जी ने पुतस्कालय की महत्ता बताते हुए सभी का आभार ज्ञापन किया। कार्यक्रम में राजेश पाल चौधरी, विनय शुक्ल, नितेश शर्मा, आशीष श्रीवास्तव, अभिनव उपाध्याय, शशांक शुक्ल, राकेश पाण्डेय, बृजेश गुप्ता, रमेश विश्वकर्मा, मोहम्मद इकबाल, कांचन माला त्रिपाठी, रीता सिंह, आराधना, विनय चौधरी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक व छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। ■

# जनपद स्तरीय एडूलीडर्स यूपी सम्मान

## जनपद - जौनपुर

**ऊषा सिंह, जौनपुर**

डॉ. भीमराव रामजी आम्बेडकर तथा जैन धर्म के अन्तिम तीर्थंकर वर्द्धमान महावीर की जयन्ती के उपलक्ष्य में एडूलीडर्स यूपी जौनपुर के तत्वावधान व डॉ. ऊषा सिंह, प्रधानाध्यापिका इंग्लिश मीडियम प्रा. वि. चकताली, जौनपुर के दिशा निर्देशन में जनपद के प्रतिष्ठित होटल पूर्वांचल में जनपद स्तरीय शैक्षिक उन्नयन कार्यशाला तथा शिक्षक सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यशाला में जनपद जौनपुर के प्रत्येक विकास खण्ड के ऐसे शिक्षक / शिक्षिकाओं को सम्मान प्रदान किया गया जिन्होने कोरोना महामारी की विकट परिस्थितिथियों तथा भयावह काल में भी बेसिक स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को घर-घर जाकर मोहल्ला कक्षा के माध्यम तथा आई. सी. टी. के प्रयोग से बच्चों को शिक्षा से जोड़े रखने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया था । कार्यशाला में जौनपुर के बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री गोरखनाथ पटेल द्वारा विभिन्न शिक्षक / शिक्षिकाओं /ए. आर पी. /एस. आर. जी. को प्रशस्ति पत्र, मोमेन्टो, शॉल आदि प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में बोलते हुये बेसिक शिक्षा अधिकारी ने कहा कि आज अधिकारियों को आधिकारिक सामन्तवाद की भावना से ऊपर उठकर सबके साथ सहयोगी मानसिकता से कार्य करने की आवश्यकता है तभी हम बेसिक शिक्षा के लक्ष्य को प्राप्त करते हुये समाज को एक नवीन दिशा प्रदान करने और अपने विद्यालयों में अधिकाधिक नवीन नामांकन करने

# प्राथमिक शिक्षा की नींव हो रही मजबूतः डा. गोरखनाथ पटेल

में सक्षम हो सकेंगें। उन्होंने एडूलीडर्स यूपी के तत्वावधान में किये जा रहे शैक्षणिक नवाचारों तथा कार्यक्रमों की भूरि-भूरि प्रशंसा की और कहा कि हमारा पूरा विभाग सदैव ऐसे कार्यक्रमों में अपना सहयोग प्रदान करता रहेगा। कार्यक्रम को डायट प्राचार्य श्री मनीष सिंह ने सम्बोधित करते हुए कहा कि आज बेसिक शिक्षा में आमूल- चूल सुधार कार्य हो रहें हैं। कार्यक्रम को बी. ई. ओ. सिकरारा श्री राजीव कुमार यादव ने भी सम्बोधित करते हुये एडूलीडर्स यूपी के दिशा निर्देशन में शिक्षकों द्वारा किये जा रहे शैक्षणिक कार्यक्रमों की सराहना किया। कार्यक्रम में सिरकोनी ब्लॉक के शिक्षक डॉ. आशीष कुमार श्रीवास्तव, मुफ्तीगंज ब्लॉक के शिक्षक श्री संजय कुमार सिंह "सागर", मड़ियाहूं ब्लॉक के शिक्षक श्री विजय "मेंहदी' जी ने अपनी काव्यमयी रचना तथा विचारों को प्रस्तुत करते हुये शिक्षक समाज में एक नवीन ऊर्जा तथा उत्साह का संचार किया। प्रा. वि. महमदपुर,शहादतपुर, बरसठी, जौनपुर के कक्षा चार का प्रतिभावान छात्र प्रांजल यादव (बाल कलाकार अवार्डी तथा उत्कृष्ट छात्र जनपद जौनपुर) ने भी अपने गीत के माध्यम से समाज को जागरूक किया। श्री अरविन्द कुमार शुक्ल तथा आदर्श प्रधानाध्यापक श्री केशव सिंह, श्री लक्ष्मीकांत सिंह तथा श्रीमती अंजू पाठक ने भी इस समारोह को सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शिप्रा सिंह, प्रियंका मिश्रा, यामिनी सिंह तथा ज्योति मिश्रा ने संयुक्त रूप से सफलतापूर्वक किया। समारोह के अन्त में कार्यक्रम की संयोजक डॉ. ऊषा सिंह ने समारोह में आये हुये सभी आगन्तुक अतिथियों का सम्मान करते हुये हार्दिक आभार प्रकट किया। कार्यक्रम को कुशलतापूर्वक सम्पन्न कराने में एडूलीडर्स ग्रुप की पूरी कोर टीम डॉ. ऊषा सिंह, डॉ. विभा शुक्ला, प्रियंका मिश्रा, ऋचा सिंह, शिप्रा सिंह, सुमन गौतम, डॉ. ज्योति मिश्रा, नीलम सिंह, केशव सिंह, सावेन्द्र यादव, अनुराग मिश्रा, अंकित यादव, अविनाश पाल की महती भूमिका रही। ■

# जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रंजना चौधरी ने शिक्षकों को एडूलीडर्स यूपी सम्मान से किया सम्मानित

## जनपद स्तरीय एडूलीडर्स सम्मान : जनपद रायबरेली

**विनीत श्रीवास्तव, रायबरेली**

एडूलीडर्स यूपी की रायबरेली टीम द्वारा एडूलीडर्स सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रंजना चौधरी ने चयनित शिक्षकों को एडूलीडर्स यूपी सम्मान पत्र व स्मृति चिन्ह प्रदान किया। कार्यक्रम में एडूलीडर्स के जिला संयोजक विनीत श्रीवास्तव ने एडूलीडर्स यूपी द्वारा राज्य व जनपद स्तर पर किये जा रहे विविध प्रयासों की जानकारी दी उन्होंने कहा कि एडूलीडर्स यूपी टीम शिक्षकों के क्षमता संवर्धन तथा बच्चों के शैक्षिक गुणवत्ता उन्नयन हेतु सत्त प्रयास शील है उन्हासेंने कहा कि उनके प्रयासों को उ.प्र. सरकार के कैबिनेट मंत्री, स्वीप अभियान के अन्तर्गत निर्वाचन आयोग तथा जिलाधिकारी ने प्रशंसा की है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रंजना चौधरी नें एडूलीडर्स के प्रयासों की प्रशंसा की। कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न शिक्षाधिकारी व शिक्षक उपस्थिति रहे। ■

समारोह में 20 शिक्षक किए गये सम्मानित

लोगों को आकर्षित कर रहा सेल्फी फ्रेम

# निपुण भारत मिशन

## निपुण विद्यालय

### प्राथमिक विद्यालय चकताली , जनपदः जौनपुर

जनपद जौनपुर का अंग्रेजी माध्यम प्राथमिक विद्यालय चकताली जनपद में अपनी एक अलग पहचान बना चुका है। इस विद्यालय में श्रीमती ऊषा सिंह प्रधानाध्यापक और चार सहायक अध्यापिकाएं कार्यरत हैं। यहां के छात्र और छात्राएं हिंदी के साथ–साथ अंग्रेज़ी व संस्कृत में अपना परिचय पूरी बेबाकी के साथ देते हैं। इस विद्यालय में सुबह की सभा पूरे एक घंटे चलती है जिसमें बच्चों को योग, पीटी, जनरल नॉलेज, दैनिक श्यामपट्ट कार्य कराया जाता है। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका और अध्यापिकाओं द्वारा हर सोमवार को सप्ताह के लिए कार्य योजना बनाई जाती है जिसकी सप्ताहंत पर चर्चा की जाती है। अभी से इस विद्यालय के 70 % से अधिक छात्र निपुणता को हासिल कर चुके हैं। यहां हर महीने छात्रों के रीड एलॉग एप के स्टार्स को बुलेटिन बोर्ड पर दर्शाया जाता है साथ ही हर माह हर कक्षा से सबसे ज्यादा दिन उपस्थित होने वाले छात्रों को सबकी उपस्थिति में स्टार दिया जाता है। हर शनिवार को छात्रों द्वारा शिक्षक की उपस्थिति में प्रोजेक्ट कार्य कराया जाता है और उसका प्रेजेंटेशन बाल सभा में किया जाता है। विद्यालय के बच्ची श्वेता यादव को जिले स्तर पर सम्मानित किया जा चुका है। विद्यालय को कई प्रकार के सम्मान मिल चुके हैं जिसमे उत्कृष्ट विद्यालय 2019 भी शामिल है। विद्यालय में निज़ी विद्यालयों की तर्ज़ पर हाउस भी बटवारा भी किया गया है और शनिवार को छात्र अपने अपने हाउस के रंग की टी शर्ट में विद्यालय आते हैं। ■

## निपुण शिक्षक

**बृजेश कुमार गुप्ता**
सहायक अध्यापक
कंपोजिट विद्यालय रामपुर रेवटी
बनकटी, बस्ती

बृजेश कुमार गुप्ता द्वारा अपने विद्यालय के बच्चों को निपुण बनाने के लिए गतिविधि आधारित शिक्षण, नए TLM का निर्माण, ICT व नवाचारों का प्रयोग, रीडिंग कॉर्नर का निर्माण और प्रयोग, रोल प्ले, खेल, योग और विभिन्न प्रकार के शैक्षणिक सामग्रियों का निर्माण (चित्र कथा, वर्क शीट), प्रिंट रिच मैटेरियल आदि का प्रयोग कर शिक्षण कार्य किया जा रहा है।

## निपुण बच्चे

नाम- अदिति
कक्षा-1
प्रा. विद्यालय-चकताली
जनपद-जौनपुर

नाम-भूमि सिंह
कक्षा-3
प्रा. विद्यालय-सलौली
गोसाईगंज-लखनऊ

नाम-फलक
कक्षा- 2
एमपीएस मूड़घाट
जनपद-बस्ती

नाम-अंशिका
कक्षा- 1
एमपीएस मूड़घाट
जनपद-बस्ती

नाम- अनंत प्रताप भारती
कक्षा- 2
एमपीएस मूड़घाट
जनपद-बस्ती

नाम-आलिया
कक्षा- 1
एमपीएस मूड़घाट
जनपद-बस्ती

# युवा शिक्षकों के लिए रोल मॉडल हैं
# डॉ सर्वेष्ट मिश्र

- समूचे उत्तर प्रदेश से वर्ष 2018 में एकमात्र राष्ट्रपति पदक प्राप्त शिक्षक डॉ सर्वेष्ट मिश्र स्कूल लीडरशिप के जीवन्त उदाहरण हैं
- डॉ सर्वेष्ट मिश्र ने अपने हैप्पी स्मार्ट स्कूल मूड़घाट से बनाई अपनी अलग पहचान
- जनसहयोग से स्कूलों के विकास में माहिर हैं सर्वेष्ट मिश्र
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ सहित सभी उच्चाधिकारी कर चुके हैं इनकी तारीफ
- एडूलीडर्स के माध्यम से छात्रों व शिक्षको के उज्ज्वल भविष्य के लिए कर रहें है कार्य।

**विनीत पंवार, बुलन्दशहर**

उत्तर प्रदेश के अति पिछड़े जनपदों में शुमार बस्ती जनपद के गौर ब्लॉक के बेलसड़ गांव में वर्ष 1979 में श्री राम नाथ मिश्र व श्रीमती ब्रह्मावती देवी के पुत्र के रूप में जन्मे सर्वेष्ट मिश्र, एक ऐसा नाम जिसने बहुत कम समय मे अपने कठिन परिश्रम से समूचे देश के शिक्षा जगत में अपनी अलग पहचान बनाई है। इनके कार्य इतने आला दर्जे के है कि वर्ष 2018 में भारत सरकार में इन्हे समूचे उत्तर प्रदेश से एकमात्र शिक्षक के रूप में देश के सर्वोच्च शिक्षक पुरस्कार राष्ट्रपति सम्मान से सम्मानित किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें अपने आवास पर बुलाकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, शिक्षा मंत्री श्रीमती अनुपमा जायसवाल, श्री सतीश द्विवेदी, श्री संदीप सिंह, महानिदेशक स्कूल शिक्षा श्री विजय किरन आनंद, निदेशक डॉ सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह, अपर निदेशक सुश्री ललिता प्रदीप सहित विभिन्न गणमान्य लोगों ने इन्हे सम्मानित किया है। वर्तमान में डॉ सर्वेष्ट मिश्र अपने विद्यालय को मॉडल बनाने के साथ ही उत्तर प्रदेश के स्वप्रेरित, ऊर्जावान टेक्नोसेवी शिक्षकों के स्वतःस्फूर्त समूह "एडूलीडर्स यूपी" के संस्थापक के रूप में समूचे उत्तर प्रदेश के शिक्षकों व छात्रों के भलाई के लिए कार्य कर रहे हैं। इनके सपनों का विद्यालय "आदर्श प्राथमिक विद्यालय मूड़घाट जनपद बस्ती" जिसे इन्होंने अपने अथक प्रयासों व जनसहयोग से विकसित किया है, उसकी कहानी शिक्षको के लिये नजीर है। वर्ष 2016 में तत्कालीन जिलाधिकारी बस्ती ने इनके पूर्व स्कूलों की तैनाती के दौरान जनसहयोग से उनके द्वारा स्कूलों में किए गए उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए जनपद के इस सुविधाविहीन, मार्गविहीन, नाममात्र की 19 छात्र संख्या और केवल 2 शिक्षको वाले प्राथमिक विद्यालय मूड़घाट को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित करने की जिम्मेदारी सौंपी। उस समय स्कूल का भौतिक परिवेश अत्यंत दयनीय था। लेकिन सर्वेष्ट मिश्र को जुनून था इस स्कूल को एक मॉडल स्कूल के रूप में विकसित करने का। अतः वह 250 घरों में घर-घर जाकर एक महीने भीतर ही डेढ़ सौ नए प्रवेश किए। अपने वेतन व समाज से सामग्री के रूप में चंदा लेकर पूरी बिल्डिंग की मरम्मत कराई और उसे वाल पुट्टी कराकर बाला आधारित बाल पेंटिंग कराई। समाज के सहयोग लेकर सभी बच्चो के बैठने हेतु फर्नीचर, व्हाइट बोर्ड, विद्युतीकरण व पंखे आदि की व्यवस्था की। वर्ष 2016 में ही बेसिक शिक्षा विभाग के पहले प्रोजेक्टरयुक्त स्मार्ट क्लास की स्थापना की। पूरे परिसर में 08 सीसीटीवी कैमरों, नियमित उपस्थिति हेतु बॉयोमीट्रिक अटेंडेंस सिस्टम, स्कूल की वेबसाइट, स्मार्ट टीवी व अन्य

# स्वप्रेरित, ऊर्जावान एवं टेक्नोसेवी शिक्षको का स्वतः स्फूर्त समूह

अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया। इनके इस प्रयासों को तब और गति मिली जब वर्ष 2018 में इन्हें नेशनल अवार्ड मिलने के बाद तत्कालीन जिलाधिकारी डॉ राजशेखर ने पूरे परिसर को एक बड़े शेड, स्मार्ट टीवी व और फर्नीचर की सुविधा उपलब्ध कराई। डॉ सर्वेष्ट मिश्र के प्रयासों का ही प्रतिफल रहा कि सांसद श्री हरीश द्विवेदी ने इस स्कूल को सेटेलाइट लर्निंग सेंटर के रूप में सहयोग दिया। जनपद के विभिन्न जनप्रतिनिधियों, विभागीय अधिकारियों व समाजसेवियों के सहयोग से आज यह विद्यालय अपनी अलग पहचान बना चुका है। डॉ सर्वेष्ट मिश्र द्वारा विकसित इस "हैप्पी स्मार्ट स्कूल" मूड़घाट बस्ती में आज 300 से अधिक बच्चे पढ़ते हैं और बड़ी संख्या में बच्चे अगले वर्ष में प्रवेश लेने हेतु प्रतीक्षारत हैं। इनके इस मॉडल को देखकर प्रदेश के हजारों शिक्षक इनसे प्रेरणा लेकर अपने विद्यालयों को इसी तर्ज पर विकसित कर रहे हैं।

डॉ सर्वेष्ट के प्रयासों को देखते हुए भारत सरकार ने इन्हें देश का सर्वोच्च शिक्षक पुरस्कार राष्ट्रपति पुरस्कार 2018 प्रदान किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने इन्हें अपने आवास पर बुलाकर सम्मानित किया और इनके बारे में ट्वीट किया। इनके उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी भी संम्मानित कर चुके हैं। इनके बेहतरीन कार्यों के लिए भारत सरकार के शिक्षा मंत्री श्री प्रकाश जावड़ेकर जी, श्री रमेश पोखरियाल निशंक जी, बेसिक शिक्षा मंत्री डॉ सतीश द्विवेदी जी, श्रीमती अनुपमा जायसवल जी सहित विभिन्न गणमान्य संस्थाओं व व्यक्तियों ने सम्मानित किया है। बेसिक शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा इन्हें राज्य आईसीटी पुरस्कार बेसिक शिक्षा निदेशक डॉ सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह द्वारा प्रदान किया गया है। पतंजलि विद्यापीठ समूह प्रयागराज द्वारा इन्हें प्रतिष्ठित "लोकमणि लाल पुरस्कार 2017" से सम्मानित किया जा चुका है। प्रसिद्ध दैनिक जागरण समूह द्वारा इन्हें प्रदेश के पहले "राष्ट्रीय जागरण जोश एजुकेशनल लीडर अवार्ड 2021" से सम्मानित किया गया है। सम्प्रति डॉ सर्वेष्ट मिश्र अपने विद्यालय को मॉडल विद्यालय के रूप में स्थापित करने के साथ ही जनपद बस्ती में सदस्य "राज्य संसाधन समूह" के पद पर रहते हुए जनपद के अन्य विद्यालयों को सहयोगात्मक अनुसमर्थन देने का कार्य कर रहे हैं।

Basti primary school teacher selected for national award

मार्च 2020 में कोविड काल मे जब सब लोग भयाक्रांत होकर घरों में छिपने को विवश थे ठीक उसी समय डॉ सर्वेष्ट मिश्र ने प्रदेश के अपने 100 नवाचारी शिक्षक साथियों को साथ लेकर प्रदेश के 75 जनपदों में बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में अच्छा कार्य कर रहे स्वप्रेरित, ऊर्जावान, टेक्नोसेवी व स्वतः स्फूर्त शिक्षकों के समूह "एडूलीडर्स यूपी" का गठन किया और सभी 75 जनपदों में एडूलीडर्स यूपी के व्हाट्सएप्प समूहो व अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मो के माध्यम से शिक्षको को आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण, उनके उत्कृष्ट कार्यों को मंच तथा उन्हें एडूलीडर्स यूपी अवार्ड से सम्मानित करने का प्रयास प्रारम्भ किया। एडूलीडर्स यूपी द्वारा राज्य शैक्षिक तकनीकी संस्थान उत्तर प्रदेश के साथ मिलकर निदेशक सुश्री ललिता प्रदीप जी के सहयोग से सभी 75 जनपदों के 50,000 से अधिक शिक्षको को वेबिनारों के माध्यम से लर्निंग असेसमेंट, स्कूल लीडरशिप, शिक्षा में आईसीटी के प्रयोग, एनईपी

# स्वप्रेरित, ऊर्जावान एवं टेक्नोसेवी शिक्षको का स्वतः स्फूर्त समूह

2020 व मिशन प्रेरणा की विविध एकेडमिक गतिविधियों पर देश भर के प्रसिद्ध शिक्षाविदों के माध्यम से प्रशिक्षित करने का कार्य किया है। एडूलीडर्स यूपी ने प्रदेश के विभिन्न जनपदों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे शिक्षकों को सम्मानित करने हेतु उन्होंने गत 3 वर्षों में 450 शिक्षकों को एडूलीडर्स यूपी अवार्ड के लिए चयनित कर सम्मानित किया। वर्तमान में डॉ सर्वेष्ट मिश्र राज्य स्तर पर विकसित होने वाले विभिन्न माड्यूल्स लेखन, लर्निंग असेसमेंट टीम के साथ ही राज्य में विकसित हो रहे प्री प्राईमरी एजुकेशन के नोडल एसआरजी के विकासकर्ता के साथ ही एक उत्कृष्ट प्रशिक्षक के रूप में बेसिक शिक्षा विभाग को अपना योगदान दे रहे हैं। बच्चो में विज्ञान के प्रति रुचि व उनमें वैज्ञानिक सोच विकसित कर उन्हें बाल वैज्ञानिक का दर्जा देने वाले भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रद्योगिकी विभाग द्वारा संचालित "राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस" के जिला समन्वयक के रूप में डॉ सर्वेष्ट मिश्र गत 6 वर्षों से प्रति वर्ष से बस्ती जनपद के बच्चो को राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर बाल वैज्ञानिक के रूप में पहचान दिलाई है। संप्रति डॉ सर्वेष्ट मिश्र उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की स्टीयरिंग कमेटी के सदस्य के रूप में अपने अनुभव व योग्यता से प्रदेश के बेसिक शिक्षा विभाग में बेहतर योगदान देने का प्रयास कर रहे हैं। एडूलीडर्स यूपी को अपने ऐसे कर्मयोगी नेतृत्वकर्ता पर गर्व है। ■

**जय हिन्द। जय शिक्षक।**

# एडूलीडर्स अवार्ड 2022

## एडूलीडर्स 2022 अवार्ड से सम्मानित होंगे प्रदेश के 150 शिक्षक

सत्यजीत द्विवेदी, कुशीनगर

**लखनऊ।** परिषदीय शिक्षकों के स्वप्रेरित ऊर्जावान, टेक्नोसेवी, स्वतःस्फूर्त समूह एडूलीडर्स यूपी लखनऊ में निपुण भारत मिशन शैक्षिक गुणवत्ता सेमिनार एवं एडूलीडर्स यूपी अवार्ड 2022 कार्यक्रम का आयोजन प्रस्तावित है। टीम एडूलीडर्स यूपी द्वारा प्रदेश के सभी 75 जनपदों में उल्लेखनीय कार्य कर रहे 150 चिह्नित शिक्षको को एडूलीडर्स यूपी द्वारा अवार्ड 2022 से सम्मानित किया जाएगा। समग्र शिक्षा उत्तर प्रदेश के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम के आयोजन को महानिदेशक स्कूल शिक्षा श्री विजय किरन आनंद ने अनुमति देते हुए सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को 75 जनपदों से चिह्नित 150 शिक्षकों की सूची जारी करते हुए कार्यक्रम में प्रतिभाग कराने का निर्देश दिया है। एडूलीडर्स यूपी सम्मान समारोह माह दिसम्बर में प्रस्तावित हैं ■

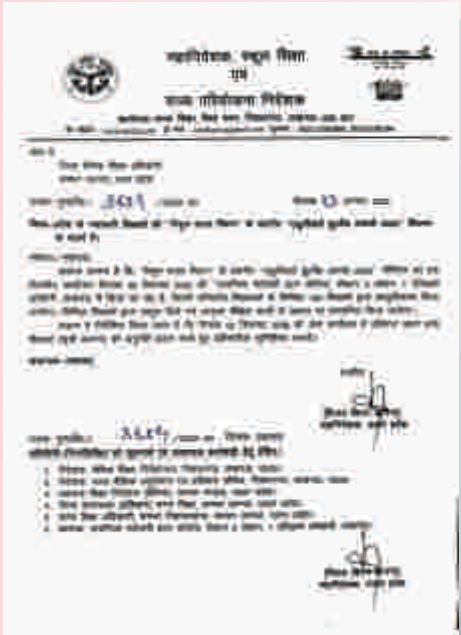

# एडूलीडर्स यूपी सम्मान समारोह 2021, गोरखपुर

# एडूलीडर्स हुनर समर कैंप

सुधांशु उपाध्याय, मिर्जापुर

एडूलीडर्स यूपी द्वारा सभी जनपदों के स्कूलों में नामांकित बच्चों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास हेतु "हुनर" समर कैम्प कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दिनांक 09 मई 2022 सोमवार से किया गया। एक सप्ताह के इस स्कूल आधारित समर कैंप में शिक्षकों ने अपने बच्चों को संगीत, कला, नृत्य, तकनीक आदि विविध क्षेत्रों में निखारने का प्रयास किया गया। शिक्षकों द्वारा 9 मई से 14 मई 2022 तक बच्चों के साथ समर कैंप का आयोजन अपने-अपने विद्यालयों पर किया गया। जिन शिक्षकों ने अपने विद्यालय में इस कैम्प की गतिविधियों को संचालित किया उन्हें एडूलीडर्स यूपी की तरफ से एक प्रमाण पत्र दिया गया। ■

# मतदाता जागरुकता कार्यक्रम - जनपद एटा

**मुकेश यादव, एटा**

निर्वाचन आयोग के निर्देश पर एडूलीडर्स यू.पी. एटा के जिला संयोजक श्री मुकेश कुमार के नेतृत्व में लगभग तीन महीनों तक मतदाता जागरुकता गतिविधियों का संचालन किया गया। जिलाधिकारी श्री अंकित कुमार अग्रवाल के आदेश पर टीम एडूलीडर्स से जुड़े शिक्षकों ने स्वीप टीम बनाकर मतदाता जागरुकता रैली, स्लोगन प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता तथा निबंध व मेंहदी प्रतियोगिता आयोजित कर मतदाताओं को जागरुक किया। टीम एडूलीडर्स के प्रयासों को जिला प्रशासन ने सराहा और पूरी टीम को सम्मानित किया। ■

एडूलीडर्स स्वीप सुनियोजित मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

# मतदाता जागरुकता कार्यक्रम - जनपद चंदौली

**सचिन सिंह/निशा सिंह, चन्दौली**

जिला निर्वाचन अधिकारी चंदौली द्वारा नामित एडूलीडर्स ग्रुप की टीम ने जनपद के सभी विधानसभा क्षेत्रों में घूम घूम कर सभी मतदाताओं को जागरूक किया। इस टीम में संयोजक सचिन कुमार सिंह, निशा सिंह, सहसंयोजक अरविंद सिंह ने पूरे जोर-शोर से लोगों को अपने मताधिकार के बारे में समझाया। एडूलीडर्स प्रतिनिधि निशा सिंह की टीम ने जनपद के सभी मतदाताओं के बीच जाकर अपील की कि सभी 7 मार्च को विधान सभा चुनाव में अपने घरों से निकले और शत प्रतिशत मतदान करें। टीम ने मतदाताओं को जागरूक किया कि आप किसी भी तरह के लालच में ना आए और निडर होकर निष्पक्ष मतदान करें। यह मतदान महादान का पर्व है आप अपने मत के प्रभाव को समझें। संयोजक सचिन सिंह ने सभी मतदाताओं से कहा कि आप कभी भी ना सोचे कि सिर्फ हमारे वोट ना देने से क्या बिगड़ेगा। हो सकता है आपके वोट ना देने से कोई ऐसा प्रत्याशी चुनाव हार जाए जिसे इस बार आप चुनना चाहते हो। एडूलीडर्स टीम द्वारा मतदाता सेल्फी स्थल के उद्घाटन विभिन्न जगहों पर किया गया। इसके साथ ही साथ कई कॉलेजों में जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार आयोजित मतदाता जागरूकता से संबंधित कार्यक्रम में पहुंचकर छात्र छात्राओं को शपथ दिलाकर उनसे अपने अभिभावकों को प्रेरित करने की अपील की गई। ■

दिव्यांगजनों को दिलाई गई मतदान की शपथ

# निर्वाचन आयोग उ.प्र. ने दी एडूलीडर्स यूपी को मतदाताओं को जागरूक करने की जिम्मेदारी

Lohi

उ.प्र. विधानसभा चुनाव 2022 में मतदाता जागरुकता अभियान संचालित करने हेतु उ.प्र. निर्वाचन आयोग द्वारा एडूलीडर्स यूपी को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गयी। एडूलीडर्स यू.पी. द्वारा किये जा विभिन्न प्रयासो को देखते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने 24 नवम्बर 2021 को एक पत्र भेजकर विधान सभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने हेतु अभियान चलाने की बात कही। जिसके आधार पर एडूलीडर्स यूपी द्वारा राज्य स्तर तथा सभी 75 जनपदों में अनवरत स्वीप के अन्तर्गत मतदाता जागरुकता गतिविधियों का संचालन किया गया। ■

## विश्व पर्यावरण दिवस पर 5 जून को एडूलीडर्स यूपी द्वारा कार्यक्रम आयोजित

# पौधा लगाओ जीवन बचाओ

**सुरेंद्र पाल सिंह यादव, रामपुर**

विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2021 को एडूलीडर्स यूपी द्वारा पूरे प्रदेश में पौधारोपण अभियान चलाया गया। राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक एवं एडूलीडर्स के संस्थापक डॉ. सर्वेष्ट मिश्र ने प्रदेश के सभी शिक्षकों से वृक्षारोपण को प्रभावी रूप से लागू करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षो में कोरोना की लहर में ऑक्सीजन की कमी से जूझ रहे मरीजों की दुर्दशा सभी ने देखी है। इसलिए हर कोई पेड़ों के महत्व को जानता है। पेड़ प्राकृतिक रूप से ऑक्सीजन का उत्पादन करते हैं। ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाने के लिए प्रति व्यक्ति तीन पौधे लगाए जाने चाहिए और उनका पोषण करना भी जरूरी है। हम और आप जो खुली हवा में सांस ले ले पा रहे हैं उस खुली हवा के पीछे सबसे बड़ा योगदान अगर किसी का है तो वह पेड़ ही हैं। इंसान धीरे-धीरे अब पेड़ों का महत्व भले भूलता जा रहा है परंतु पेड़ कभी भी अपने कर्तव्य को नहीं भूलते हैं। वह हमेशा से ही इंसानों को विभिन्न तरीके से फायदा पहुंचा रहे हैं। वृक्षों के द्वारा ही हमें शुद्ध हवा मिलती है, इसके अलावा पेड़ों के द्वारा ही हमें ताजे ताजे फल खाने को मिलते हैं। पढ़ाई लिखाई करने के लिए जिन किताबों का इस्तेमाल करते हैं वह भी पेड़ों के द्वारा बनाए गए कागज से ही हमें प्राप्त होती है। इस अभियान में पूरे प्रदेश में एडूलीडर्स यूपी की जनपदीय टीम द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया और इस संबंध में प्रतिभागी शिक्षकों ने गूगल फॉर्म के माध्यम से अपने फोटो प्रेषित किए। सभी प्रतिभागी शिक्षकों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। ■

# अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर एडूलीडर्स यूपी का ऑनलाइन योग शिविर

**खिलेन्द्र सिंह, मुरादाबाद**

8वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में शिक्षको के राज्य स्तरीय समूह एडूलीडर्स यूपी द्वारा दिनांक 14 जून से 21 जून 2022 तक प्रतिदिन प्रातः 5 से 6 बजे तक योग प्रोटोकॉल के अनुसार योगाभ्यास सत्र का आयोजन किया गया। योगाभ्यास राज्य स्तरीय पुरस्कार प्राप्त योग प्रशिक्षक खिलेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन अपर शिक्षा निदेशक बेसिक सुश्री ललिता प्रदीप ने किया। कार्यक्रम में प्रतिदिन राज्य भर से हजारों शिक्षकों ने युट्यूब व गूगल मीट के माध्यम से ऑनलाइन जुड़कर योगभ्यास में हिस्सा लिया। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर सुश्री ललिता प्रदीप ने एडूलीडर्स यूपी के इस प्रकार योगाभ्यास सत्र आयोजित करने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा स्वस्थ व निरोगी जीवन के लिए नियमित योग बहुत आवश्यक है। नियमित योग लोगो को तमाम बीमारियों से बचाने के साथ ही दवाओं का खर्च भी बचाता है। उन्होने लोगो से अपील की इस ऑनलाइन सत्र के माध्यम से एक सप्ताह तक कुशल प्रशिक्षक के मार्गदर्शन में योगाभ्यास अवश्य करें। कार्यक्रम के संयोजक व एडूलीडर्स यूपी के संस्थापक डॉ सर्वेष्ट मिश्र ने कहा कि 8वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में इस सात दिवसीय सत्र का आयोजन किया है। जिसमे पूरे प्रदेश से शिक्षको के अलावा सामान्य लोग भी बडी संख्य मे प्रतिभाग किये। कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले लोगों को एडूलीडर्स यूपी द्वारा प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। योगाभ्यास का प्रसारण श्री विनीत पवार व श्री बृजेश गुप्ता के संयोजन में एडूलीडर्स यूपी के युट्यूब चैनल पर प्रतिदिन 5 से 6 बजे तक किया गया। ■

# एडूलीउर्स यूपी द्वारा 2020 के कोविड काल में आयोजित बेगिनारो में प्रतिभागी शिक्षकों का विवरण

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | AGRA | 594 | 41 | 57 | 692 | 40 | JHANSI | 515 | 28 | 28 | 571 |
| 2 | ALIGARH | 219 | 0 | 0 | 219 | 41 | KANNAUJ | 330 | 20 | 8 | 358 |
| 3 | AMBEDKAF | 3177 | 26 | 23 | 3226 | 42 | KANPUR DI | 396 | 14 | 12 | 422 |
| 4 | AMETHI | 132 | 0 | 0 | 132 | 43 | KANPUR N/ | 852 | 0 | 0 | 852 |
| 5 | AMROHA | 189 | 19 | 8 | 216 | 44 | KASGANJ | 480 | 30 | 30 | 540 |
| 6 | AURAIYA | 503 | 12 | 3 | 518 | 45 | KAUSHAMI | 151 | 15 | 21 | 187 |
| 7 | AYODYHA | 576 | 0 | 0 | 576 | 46 | KUSHINAG/ | 539 | 30 | 30 | 599 |
| 8 | AZAMGARI | 422 | 32 | 28 | 482 | 47 | LAKHIMPU | 559 | 20 | 24 | 603 |
| 9 | BAGHPAT | 153 | 0 | 0 | 153 | 48 | LALITPUR | 160 | 32 | 24 | 216 |
| 10 | BAHRAICH | 721 | 23 | 22 | 766 | 49 | LUCKNOW | 998 | 35 | 10 | 1043 |
| 11 | BALIA | 590 | 44 | 37 | 671 | 50 | MAHARAJC | 351 | 0 | 0 | 351 |
| 12 | BALRAMPU | 2132 | 20 | 8 | 2160 | 51 | MAHOBA | 426 | 37 | 18 | 481 |
| 13 | BANDA | 164 | 17 | 15 | 196 | 52 | MAINPURI | 435 | 30 | 35 | 500 |
| 14 | BARABANK | 296 | 72 | 13 | 381 | 53 | MATHURA | 459 | 32 | 14 | 505 |
| 15 | BAREILLY | 492 | 19 | 10 | 521 | 54 | MAU | 243 | 5 | 4 | 252 |
| 16 | BASTI | 232 | 23 | 11 | 266 | 55 | MEERUT | 576 | 34 | 18 | 628 |
| 17 | BHADOHI | 469 | 42 | 8 | 519 | 56 | MIRZAPUR | 515 | 33 | 33 | 581 |
| 18 | BIJNOR | 99 | 0 | 0 | 99 | 57 | MORADAB/ | 202 | 10 | 5 | 217 |
| 19 | BUDAUN | 215 | 23 | 12 | 250 | 58 | MUJAFFAR | 694 | 21 | 6 | 721 |
| 20 | BULANDSH | 680 | 16 | 15 | 711 | 59 | PILIBHIT | 328 | 32 | 15 | 375 |
| 21 | CHANDAUI | 760 | 27 | 11 | 798 | 60 | PRATAPGA | 833 | 31 | 31 | 895 |
| 22 | CHITRAKOO | 82 | 12 | 0 | 94 | 61 | PRAYAGRA | 478 | 21 | 18 | 517 |
| 23 | DEORIA | 172 | 0 | 0 | 172 | 62 | RAEBAREIL | 1211 | 39 | 12 | 1262 |
| 24 | ETAH | 632 | 30 | 30 | 692 | 63 | RAMPUR | 135 | 5 | 3 | 143 |
| 25 | ETAWAH | 290 | 25 | 13 | 328 | 64 | SAHARANP | 203 | 13 | 9 | 225 |
| 26 | FARUKKHA | 208 | 0 | 0 | 208 | 65 | SAMBHAL | 592 | 0 | 0 | 592 |
| 27 | FATEHPUR | 551 | 30 | 20 | 601 | 66 | SANT KABII | 208 | 28 | 36 | 272 |
| 28 | FIROZABAI | 570 | 35 | 16 | 621 | 67 | SHAHJAHA | 416 | 20 | 20 | 456 |
| 29 | GAUTAM B | 1295 | 21 | 20 | 1336 | 68 | SHAMLI | 696 | 22 | 21 | 739 |
| 30 | GHAZIABAI | 551 | 17 | 17 | 585 | 69 | SHRAWAST | 195 | 23 | 23 | 241 |
| 31 | GHAZIPUR | 219 | 30 | 11 | 260 | 70 | SIDHHARTH | 289 | 10 | 10 | 309 |
| 32 | GONDA | 428 | 26 | 25 | 479 | 71 | SITAPUR | 108 | 2 | 1 | 111 |
| 33 | GORAKHPU | 463 | 16 | 8 | 487 | 72 | SONBHADF | 291 | 5 | 5 | 301 |
| 34 | HAMIRPUR | 357 | 34 | 30 | 421 | 73 | SULTANPU | 197 | 12 | 10 | 219 |
| 35 | HAPUR | 780 | 0 | 0 | 780 | 74 | UNNAO | 563 | 9 | 9 | 581 |
| 36 | HARDOI | 590 | 17 | 10 | 617 | 75 | VARANASI | 1064 | 20 | 20 | 1104 |
| 37 | HATHRAS | 1327 | 28 | 16 | 1371 | 76 | STATE LEVI | 875 | 25 | 30 | 930 |
| 38 | JALAUN | 190 | 13 | 7 | 210 | 77 | MISC YOUT | 1065 | 0 | 0 | 1065 |
| 39 | JAUNPUR | 206 | 9 | 10 | 225 | | | | | | |
| | **Total** | | | | | | | 40354 | 1542 | 1107 | 43003 |

# एडूलीडर्स यूपी पुरस्कार 2020/2021/2022 प्राप्त शिक्षकों की सूची

| क्रमांक | जनपद | एडूलीडर्स यूपी अवार्ड हेतु चयनित शिक्षक वर्ष 2020 | एडूलीडर्स यूपी अवार्ड हेतु चयनित शिक्षक वर्ष 2021 | एडूलीडर्स यूपी अवार्ड हेतु चयनित शिक्षक वर्ष 2022 |
|---|---|---|---|---|
| 1 | अंबेडकरनगर | सुश्री श्वेता सिंह | श्री मयंक कुमार गुप्ता | सुश्री नीलम पाल |
| 2 | अमरोहा | डॉ रमा | श्रीमती सुमन रानी | सुश्री सुमन रानी |
| 3 | अमेठी | सुश्री खुशबू पांडे | श्री रामा शंकर यादव | श्री अरुनेश प्रताप सिंह |
| 4 | अयोध्या | डॉ विवेक कुमार | श्री ब्रजेश कुमार यादव | श्री अनूप मल्होत्रा |
| 5 | अलीगढ़ | सुश्री अंजलि भारद्वाज | श्रीमती नीता कुमारी | सुश्री वर्षा श्रीवास्तव |
| 6 | आगरा | सुश्री रेखा सक्सेना | डॉ श्रीकांत कुलश्रेष्ठ | श्री डॉ0 रति वर्मा |
| 7 | आजमगढ़ | सुश्री पूनम | श्री सदाशिव तिवारी | श्री आशीष कुमार श्रीवास्तव |
| 8 | इटावा | श्री राजेश कुमार | श्री राम जी शर्मा | श्री संतोष |
| 9 | उन्नाव | श्री आशुतोष श्रीवास्तव | सुश्री सैयद मुसर्रत फातिमा | श्री संदीप |
| 10 | एटा | श्री राकेश कुमार कुशवाहा | मुकेश कुमार यादव | श्री प्रशांत कुमार |
| 11 | औरैया | श्री संजय कुमार सिंह | श्री अश्वनी कुमार | श्री सुनील दत्त राजपूत |
| 12 | कन्नौज | श्री प्रदीप कुमार सिंह | श्री अरुणेश चतुर्वेदी | श्री शिशिर कुशवाह |
| 13 | कानपुर देहात | श्री राजनाथ द्विवेदी | श्री संत कुमार दीक्षित , श्री विनीत मिश्रा | सुश्री नीति मिश्रा |
| 14 | कानपुर नगर | श्री प्रकाश बाबू कमल | श्री प्रमोद कुमार , श्रीमती पूजा यादव | सुश्री नीतू अग्रवाल |
| 15 | कासगंज | श्री दिलीप प्रताप सिंह | श्रीमती पल्लवी गुप्ता | श्री नरेन्द्र कुमार |
| 16 | कुशीनगर | श्री महेंद्र कुमार | श्री सत्यजीत द्विवेदी, श्री सुनील सिंह | श्री राहुल कुमार सिंह |
| 17 | कौशांबी | श्री अजय कुमार | श्रीमती प्रतिमा कुमारी | सुश्री सोनी गुप्ता |
| 18 | गाजियाबाद | सुश्री फ़ौजिया अहमद | श्रेमती काजल श्रीवास्तव | सुश्री संगीता बहखंडी |
| 19 | गाजीपुर | श्री जगदीश प्रसाद वर्मा | श्रीमती शीला सिंह | श्री अविनाश कुमार यादव |
| 20 | गोंडा | श्री मोहम्मद आलम खान | श्री विवेक पाठक | सुश्री वंदना पटेल |
| 21 | गोरखपुर | सुश्री प्रीति पाल | श्रीमती अनीता श्रीवास्तव, श्रीमती दीप्ति मिश्रा | सुश्री इंद्रवती सिंह |
| 22 | गौतमबुध्दनगर | श्री गजन कुमार | श्रीमती गीता यादव | श्रीमती श्वेता सोमवंशी |
| 23 | चंदौली | श्री हिमांशु पांडे | सुश्री रीता कुमारी | श्री पूजा यादव |
| 24 | चित्रकूट | श्री अभिषेक सिंह | श्री पुष्प राज सिंह | श्री सरबजीत सिंह |
| 25 | जालौन | श्री शिव कुमार | श्री अजय पाण्डेय | सुश्री निर्मला बघेल |
| 26 | जौनपुर | श्री केशव प्रसाद | श्री सबेन्द्र कुमार यादव | सुश्री शिप्रा सिंह |
| 27 | झांसी | श्री ऋषिकांत | डॉ सुमन गुप्ता, श्री राम किशोर प्रजापति | श्री विक्रम रुसिया |
| 28 | देवरिया | सुश्री मृदुला मिश्रा | श्री ओझा प्रफुल कुमार | सुश्री शीला चर्तुवेदी |
| 29 | पीलीभीत | श्री वेद प्रकाश | श्री वीरेंद्र प्रताप सिंह | सुश्री निरंजना सिंह |
| 30 | प्रतापगढ़ | सुश्री मोहिनी शुक्ला | श्री आशुतोष | श्री श्याम प्रसाद मौर्या |
| 31 | प्रयागराज | सुश्री मनप्रीत सोढ़ी | श्रीमती श्वेता | सुश्री मधुलिका सिंह |
| 32 | फतेहपुर | श्री धर्मेंद्र कुमार | श्री सर्वेश कुमार अवस्थी | श्री विजय तिवारी |
| 33 | फर्रुखाबाद | श्री भुवनेश द्विवेदी | श्रीमती मनोरमा कनोजिया | श्री अजीत प्रताप सिंह |
| 34 | फीरोजाबाद | सुश्री अंजू यादव | श्रीमती लुबना | श्री प्रमोद कुमार |
| 35 | बदायूं | सुश्री शिवांगी पुंडीर | श्री इकबाल अहमद | सुश्री विभा चाहर |
| 36 | बरेली | श्री महावीर प्रसाद | श्री अनुज कुमार शर्मा | सुश्री सारिका सक्सैना |
| 37 | बलरामपुर | श्रीमती मंजरी | श्रीमती कुसुम कुमारी | श्री श्रीराम |
| 38 | बलिया | श्री राजीव मौर्य | सुश्री प्रतिमा उपाध्याय, सुश्री श्वेता वर्मा | श्री अभिलाष चन्द मिश्रा |
| 39 | बस्ती | श्री अजय कुमार पांडे | श्रीमती नाज़िया परवीन | श्री राजकांत |
| 40 | बहराइच | श्री रामजी यादव | श्री हेमंत यादव | श्री राजेश कुमार वर्मा |
| 41 | बांदा | श्री सुशील कुमार | सुश्री प्रज्ञा त्रिवेदी | सुश्री रश्मि तिवारी |
| 42 | बागपत | श्री विकास मलिक | श्रीमती रश्मि | सुश्री सरिता |
| 43 | बाराबंकी | श्री अरुण कुमार | श्री विवेक मिश्रा ,श्री दिनेश कुमार वर्मा | सुश्री अर्पणा श्रीवास्तव |
| 44 | बिजनौर | श्री राम अवतार | डॉ आकाश अग्रवाल | श्री कृष्ण औतार वर्मा |
| 45 | बुलंदशहर | श्री रिंकू सिंह, श्री विनीत पँवार | सुश्री चिंतन चौधरी, श्री सलीम अख्तर | श्री जोगेन्द्र पाल सिंह |
| 46 | भदोही | श्री अशोक कुमार | श्री राम लाल सिंह | श्री विवेक कुमार श्रीवास्तव |
| 47 | मऊ | सुश्री रागिनी यादव | श्री राजीव कुमार मौर्य | सुश्री सावित्री प्रदीप |
| 48 | मथुरा | श्री विनय मिश्र | श्रीमती नीरज मथुरिया, श्रीमती सुनीता गुप्ता | श्री कृष्ण वीर |
| 49 | महाराजगंज | श्री विमलेश गुप्ता | श्री सुशील कुमार प्रसाद शाही | श्री भूपेन्द्र सिंह |
| 50 | महोबा | सुश्री आभा मिश्रा | सुश्री भावना सुलेरे | सुश्री प्रतिज्ञा त्रिवेदी |
| 51 | मिर्जापुर | सुश्री रचना पाठक | श्री श्रीकांत पाठक | श्री अवधेश नरायन मिश्रा |
| 52 | मुजफ्फरनगर | श्रीमती मंजू | श्री प्रमोद कुमार | सुश्री रीना रानी |
| 53 | मुरादाबाद | सुश्री ज्योति चौधरी | श्री खिलेन्द्र सिंह | श्री भुवनेश कुमारी |
| 54 | मेरठ | सुश्री शशि कौशिक | श्रीमती राजरानी शर्मा | सुश्री पुष्पा यादव |
| 55 | मैनपुरी | श्री जितेश गौरव | श्रीमती मीनाक्षी पाल | सुश्री निशंका जैन |
| 56 | रामपुर | श्री रवि माथुर | श्रीमती रामपुर | श्री प्रदीप भटनागर |
| 57 | रायबरेली | श्री राणा लाल सिंह | श्री धर्मेंद्र कुमार मिश्रा | सुश्री प्रीति सक्सेना |
| 58 | लखनऊ | सुश्री विनीता | श्रीमती नीता यादव | सुश्री सरिता शर्मा |
| 59 | लखीमपुर खीरी | श्री प्रवीण द्विवेदी | श्री वीरेंद्र शुक्ल | सुश्री सुरभि शर्मा |
| 60 | ललितपुर | सुश्री अपर्णा सोनी | डॉ रिचा अग्रवाल | श्री पंकज वर्मा |
| 61 | वाराणसी | श्री जगदीश दूबे | श्रेमती कविता बसक | सुश्री प्रतिभा सिंह |
| 62 | शामली | श्री उपेंद्र कुमार | श्री मनोज कुमार | श्री उपेन्द्र उपाध्याय |
| 63 | शाहजहांपुर | श्री राजेश शर्मा | श्रीमती पल्लवी | श्री विवेक कुशवाह |
| 64 | श्रावस्ती | सुश्री पुष्पलता मिश्रा | श्रीमती मोनी सिंह | श्री आफताब अहमद |
| 65 | संतकबीर नगर | श्री राजेंद्र प्रसाद यादव | श्री विनोद कुमार पाण्डेय | श्री सचिदानंद सिंह |
| 66 | संभल | श्री सचिन शेखर | श्रीमती रीनू बंसल | सुश्री राखी अग्रवाल |
| 67 | सहारनपुर | श्री उपेंद्र सिंह | श्री अंकुश कौशिक | सुश्री दीपा रानी |
| 68 | सिद्धार्थनगर | श्री दयाशंकर पांडे | श्री दुर्गेश कुमार मिश्रा | श्री जितेन्द्र कुमार |
| 69 | सीतापुर | सुश्री प्रमोद तिवारी | श्री योगेंद्र कुमार पाण्डेय | श्री मौ0 इरफान |
| 70 | सुल्तानपुर | श्री संदीप कुमार सिंह | श्री सत्या देव पाण्डेय | श्री वैभव सिंह |
| 71 | सोनभद्र | श्री राजकुमार | श्रीमती कौसर जहां सिद्दीकी | सुश्री सुनीता शर्मा |
| 72 | हमीरपुर | संगीता हमीरपुर | श्री सतेन्द्र कुमार | श्री सत्येन्द्र कुमार |
| 73 | हरदोई | श्री राजीव चौहान | श्रीमती सोनम गुप्ता | श्री चन्द्रकेश यादव |
| 74 | हाथरस | सुजाता | डॉ सतना सिंह | श्री तरुन विजय सैंगर |
| 75 | हापुड़ | सुश्री पुष्पांजलि | श्रीमती मोनिका राठी | श्री डॉ0सुमन रानी अग्रवाल |

नोट : उपरोक्त के अतिरिक्त प्रत्येक वर्ष सभी 75 जनपद के कुल 225 ज़िला संयोजकों को एडूलीडर्स यूपी कर्मयोगी सम्मान से सम्मानित किया गया ।

# एडुलीडर्स यूपी द्वारा संचालित शैक्षिक वेबिनारों के विशेषज्ञों की सूची

## लर्निंग असेसमेंट वेबिनार

डॉ० अनुराधा शर्मा, विशेषज्ञ, आस्ट्रेलियन काउंसिल आफ एजूकेशनल रिसर्च
डॉ० सर्वेष्ट मिश्र, सदस्य, स्टेट असेसमेंट ग्रुप, उ0प्र0
डॉ० प्रदीप जायसवाल, सदस्य, स्टेट असेसमेंट ग्रुप, उ0प्र0
डॉ० आशुतोष श्रीवास्तव, सदस्य, स्टेट असेसमेंट ग्रुप, उ0प्र0
डॉ० अंबिकेश त्रिपाठी, सदस्य, स्टेट असेसमेंट ग्रुप, उ0प्र0
श्री सत्यजीत द्विवेदी, सदस्य, स्टेट असेसमेंट ग्रुप, उ0प्र0
श्री विनीत पंवार, सदस्य, स्टेट असेसमेंट ग्रुप, उ0प्र0
श्री विकास सक्सेना सदस्य, स्टेट असेसमेंट ग्रुप, उ0प्र0
श्री अनिल तिवारी सदस्य, स्टेट असेसमेंट ग्रुप, उ0प्र0
श्रीमती श्वेता सोमवंशी सदस्य, स्टेट असेसमेंट ग्रुप, उ0प्र0
श्रीमती रश्मि त्रिपाठी सदस्य, स्टेट असेसमेंट ग्रुप, उ0प्र0
श्रीमती पम्मी मलिक सदस्य, स्टेट असेसमेंट ग्रुप, उ0प्र0
श्री राधेश्याम दीक्षित सदस्य, स्टेट असेसमेंट ग्रुप, उ0प्र0

## स्कूल लीडरशिप वेबिनार

**प्रमुख विशेषज्ञ:**

श्री धीर जिंगरन, प्रमुख, एलएलएफ, नई दिल्ली
प्रो0 सुदेशना लहरी, कोलकाता विश्वविद्यालय
डॉ० चारू स्मिता मलिक, विशेषज्ञ, न्यूपा नई दिल्ली।
सुश्री विनीता कौल, वरिष्ठ शिक्षाविद, नई दिल्ली
श्री मुबीन अहमद, सहायक निदेशक, बेसिक शिक्षा, उ0प्र0
सुश्री कविता आनंद, शिक्षाविद, मुंबई
डॉ० जयंती श्रीवास्तव, असिस्टेंट प्रोफेसर, एमिटी युनिवर्सिटी, लखनऊ
श्री उमेश शुक्ल, प्राचार्य, डायट वाराणसी
श्री पंकज श्रीवास्तव, विशेषज्ञ, ओएनजीसी,
डॉ० आशुतोष श्रीवास्तव, प्रवक्ता डायट आजमगढ़
डॉ सर्वेष्ट मिश्र, नेशनल अवार्डी शिक्षक, बस्ती
श्री नरेन्द्र तिवारी, एसआरजी, न्यूपा/एसआरजी, न्यूपा
श्रीमती नीलम पंकज, एसआरजी, न्यूपा
श्रीमती अनीता मुदगल, एसआरजी, न्यूपा
श्रीमती निशा सिंह, एसआरजी, न्यूपा
श्रीमती श्वेता सोमवंशी, नवाचारी शिक्षिका, गौतम बुद्ध नगर

## शिक्षा में आईसीटी का प्रयोग वेबिनार

**प्रमुख विशेषज्ञ-**

डॉ० ए0पी0 बेहरा, सयुक्त निदेशक, सीआईईटी-एनसीईआरटी, नई दिल्ली
सुश्री ललिता प्रदीप जी, शिक्षा निदेशक एसआईईटी, लखनऊ
डॉ० अजय सिंह, जेडी, एससीईआरटी लखनऊ
श्री मुबीन अहमद, सहायक निदेशक बेसिक, लखनऊ
श्री गुरूमूर्ति काशीनाथन- फाउण्डर, आईटी फार चेंज, बैंगलोर
सुश्री सुधा, सुश्री सुप्रिया व श्री आशीष जी- एचसीएल फाउडेशन, लखनऊ
डा. आलोक मिश्र/डा. मीना मिश्रा, ब्रेन बिहेवियर आफ इण्डिया, नई दिल्ली
श्री हरि कृष्ण आर्य, नेशनल आईसीटी अवार्डी माइक्रोसाफट मास्टर ट्रेनर, राजस्थान
श्री इमरान खान, नेशनल व नेशलन आईसीटी अवार्डी, राजस्थान
डॉ० आशुतोष श्रीवास्तव, प्रवक्ता डायट, आजमगढ़
डॉ सर्वेष्ट मिश्र, नेशनल आईसीटी अवार्डी, बस्ती
श्री आशुतोष आनंद अवस्थी नेशनल व नेशनल आईसीटी अवार्डी , बाराबंकी
श्री रवि प्रताप सिंह, नेशनल आईसीटी अवार्डी, गोण्डा
श्रीमती प्रतिमा सिंह, नेशनल आईसीटी अवार्डी, बलरामपुर
श्री सुशील कुमार नेशनल आईसीटी अवार्डी, बाराबंकी
श्री संपन्न निगम नेशनल आईसीटी अवार्डी, बाराबंकी
सुश्री अल्पा निगम नेशनल आईसीटी अवार्डी, गोरखपुर
श्री प्राणेश भूषण मिश्र नेशनल आईसीटी अवार्डी, ललितपुर

## तकनीकी सहयोग:

श्री विमल आनन्द, बस्ती
श्री विनीत पवार, बुलन्दशहर

**विशेष आभार:** डॉ0 ए0पी0 बेहरा, सयुक्त निदेशक, एनसीईआरटी, नई दिल्ली

**एडूलीडर्स यूपी पत्रिका के आगामी अंक में अपनी रचनाएं सफलता की कहानियों /निपुण विद्यालय छात्र/ शिक्षक के रूप में उपलब्धियों के प्रकाशन हेतु अपने आलेख EduleadersUP@gmail.com पर भेजें**

# EDULEADERS UP

स्वप्रेरित, ऊर्जावान एवं टेक्नोसेवी शिक्षकों का स्वतः स्फूर्त समूह

## एडूलीडर्स यूपी

उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद में कार्यरत शिक्षकों का एक ऐसा मंच जो प्रदेश के युवा राष्ट्रपति पदक प्राप्त शिक्षक श्री सर्वेष्ट मिश्र के नेतृत्व में सभी 75 जनपदों में शिक्षकों के व्यावसायिक विकास हेतु संकल्पित है। एडूलीडर्स यूपी शिक्षकों को आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें सीखने-सिखाने का मंच प्रदान करता है। उनकी 'सफलता की कहानियों' का प्रकाशन कर प्रतिवर्ष उन्हें एडूलीडर्स यूपी अवार्ड प्रदान करता है। यह समूह प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत लाखों बच्चों के लर्निंग आउटकम को सुनिश्चित करने हेतु गतिविधियों का निर्माण कर उन्हें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत 'ग्लोबल सिटीजन' के रूप में तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

- टीम एडूलीडर्स यूपी

Follow us at : EduleadersUP

### संचालित कार्यक्रम

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| एडूलीडर्स यूपी अवॉर्ड | योग प्रवाह | नवोन्मेषी शिक्षक | ऑनलाइन प्रशिक्षण | शिक्षक कलाकार |
| बाल कलाकार | शब्द संग्रह | ज्ञान गंगा | बूझ भाई बूझ | वेबिनार |
| विद्या प्रवाह | निपुण प्रवाह | हैप्पी स्मार्ट स्कूल | निपुण विद्यालय | संस्कार |
| बाल सवाल | स्पेशल डे | बंधन (सहयोग कार्यक्रम) | निपुण छात्र | ट्यूटोरियल वीडियो |

'एजुलीडर्स यूपी' बेसिक शिक्षकों को बनाएगा स्वावलंबी

नई उड़ान

पहल

प्रदेश के 75 शिक्षक हुए एडूलीडर्स सम्मान से सम्मानित

प्रधानमंत्री ने कहा-शाबाश सर्वेष्ट! ऐसे ही काम करते रहिए

शिक्षक को सम्मान

प्रधानमंत्री ने कहा-शाबाश सर्वेष्ट ! ऐसे ही काम करते रहिए

NIPUN BHARAT


EDULEADERS UP

FOLLOW US

www. Eduleadersup.in

Eduleadersup@gmail.com

EduleadersUP

EduleadersU 7905800792





## डॉ सर्वेष्ट मिश्र

राष्ट्रपति पदक प्राप्त प्रधानाध्यापक

- आदर्श प्राथमिक विद्यालय मूड़घाट, जनपद बस्ती
- सदस्य, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 स्टीयरिंग कमेटी(बेसिक) उत्तर प्रदेश
- सदस्य-राज्य मॉड्यूल लेखन/ राज्य आकलन समूह
- सदस्य, राज्य संसाधन समूह (SRG), जनपद- बस्ती
- सदस्य, प्री प्राइमरी एजुकेशन संचालन समिति, बेसिक शिक्षा विभाग, बस्ती
- जिला समन्वयक, राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस, जनपद-बस्ती

sarvestkumar@gmail.com

sarvestkumar

ISBN NO. 978-93-5773-839-2


मूल्य : ₹ 100/-